Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 274 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, गुरूवार 07 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

ओ मैडम, मैडम जी सुन लीजिए., विपक्ष में रहने की मेरे से ट्यूशन ले लो, संसद में इस बात पर लाल हुए जेपी नड्डा

नई दिल्ली। राज्यसभा में आज उस समय हंगामा मच गया जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन के भीतर सीआईएसएफ जवानों को बुलाए जाने का दावा किया। फिर जेपी नड्डा ने जवाब देते हुए विपक्ष के सदस्यों को सख्त लहजे में कहा कि आपको विपक्ष की भूमिका निभानी नहीं आती, तो मुझसे ट्यूशन ले लो। नड्डा ने कहा कि अभी तो आपको 30-40 साल और विपक्ष में रहना है।नड्डा ने कहा कि उपसभापति ने ये बताया कि जब कोई स्पीकर बोल रहा है, अब मैं यहां बोल रहा हूं (अपना उदाहरण देते हुए) और कोई मेरे बगल में खड़ा होकर नारा लगाएगा तो यह लोकतंत्र नहीं है। ये काम करने का तरीका नहीं होता। इस पर भी विपक्ष के सदस्य नहीं माने। वे शोर करते जा रहे थे। नड्डा ने हाथ के इशारे से एक महिला सदस्य को संबोधित करते हुए कहा कि ओ मैडम, मैडम जी सुन लीजिएज मैंने इन लोगों को कई बार कहा है कि 40 साल से ज्यादा विपक्ष में रहा हूं। कुछ मेरे से ट्यूशन ले लो। उन्होंने कहा कि मैं बता दूंगा कि विपक्ष कैसे चलता है। अभी तो नए-नए हो। अभी तो 10 ही साल हुए हैं। अभी तो 30-40 साल रहना है। मेरे से ट्यूशन ले लो। मैं बताऊंगा।

हिमाचल के किन्नौर में फटा बादल, कैलाश यात्रा पर लगी ब्रेक : आईटीबीपी ने 413 तीर्थयात्रियों को ज़िपलाइन से बचाया

हिमाचल। हिमाचल प्रदेश एक बार फिर प्रकृति के कहर का शिकार हुआ है। किन्नौर जिले के तंगलिंग गांव में बुधवार को बादल फटने से पहाड़ों से मलबे और चट्टानों का सैलाब अचानक नीचे की ओर बह निकला। भयावह दृश्य कैमरे में कैद हुए, जिसमें तेज़ आवाज़ के साथ पहाड़ी टूटकर सड़क पर गिरती दिखाई दी। पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई।
इस प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा असर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर पड़ा है। दो बड़े पुल बह जाने और सड़क मार्ग ध्वस्त होने के कारण यात्रा तत्काल रोक दी गई है। कई श्रद्धालु अलग-अलग स्थानों पर फंसे रह गए। हालांकि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ढ्ढञ्जक्चक्क) ने साहस और तत्परता का परिचय देते हुए ज़िपलाइन तकनीक के ज़रिए 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत कार्य लगातार जारी हैं।
रालडांग खड्ड में भी बादल फटा, ह॥-5 ठप किन्नौर के रिब्बा गांव के पास रालडांग खड्ड में भी बादल फटने से भारी बाढ़ आई और नेशनल हाईवे-5 का बड़ा हिस्सा कीचड़ और मलबे से पट गया। हाईवे के करीब 150 मीटर क्षेत्र में बड़े-बड़े पत्थर जमा हो गए हैं, जिससे यातायात पूरी तरह से बंद है। सौभाग्य से, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। राज्य में मानसून की बारिश कहर बनकर टूटी है। चंडीगढ़-मनाली हाईवे समेत शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिलों में भूस्खलन के कारण 500 से ज्यादा सड़कों पर यातायात ठप है। एहतियात के तौर पर कई जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। दूसरी ओर, उत्तराखंड में भी बारिश का प्रकोप जारी है। मंगलवार को धराली गांव में बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ हाईवे बंद, और हरिद्वार-देहरादून रेल मार्ग पर चट्टान गिरने से रेल संचालन भी प्रभावित हुआ है।

जनभागीदारी से करें आदिवासी बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास

मुख्यमंत्री ने आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देशित किया कि आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से आदिवासी बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास जनभागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत पूरे देश में आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में 20 लाख स्वयंसेवकों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1,32,400 वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जनभागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि युवाओं को वॉलंटियर्स के रूप में रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' शेष हैं, उनकी पहचान की जाए और आगामी 2 अक्टूबर 2025 को ग्राम सभाओं में इस पर विशेष चर्चा की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इन कमियों को दूर करने के लिए स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आवश्यक ठोस कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त हो।

बैठक में आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत ग्रामों में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जो न केवल मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में सहायक होंगे, बल्कि योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सतत क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में धरती आबा और पीएम-जनमन जैसे संतृप्तिमूलक अभियानों की भी शुरुआत की गई है, जिनके अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य ग्रामों एवं पीवीटीजी बस्तियों में आवास, पक्की सड़कें, जलापूर्ति, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 28 जुलाई 2025 के मध्य सम्पन्न किया जा चुका है तथा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की सूची भारत सरकार को प्रेषित की जा चुकी है। आगामी गतिविधियों में जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिन्हें शीघ्र क्रियान्वित किया जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, संयुक्त सचिव डॉ. रवि मित्तल, आदिम जाति कल्याण विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

साइबर फ्रॉड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दिल्ली, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह ईडी ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 11 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। साइबर ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर कई विदेशी और भारतीय नागरिकों को ठगा था। यह छापे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। ईडी ने बुधवार सुबह दिल्ली के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में छापे मारे। प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय और विदेशी नागरिकों से ठगों ने पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की। इन लोगों को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनसे बड़ी धनराशि वसूली गई। इसके अलावा, आरोपी खुद को माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन की तकनीकी सहायता टीम का सदस्य बताकर भी लोगों को झांसे में लेते थे।

एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेने चीन जाएंगे पीएम मोदी

गलवां घाटी संघर्ष के बाद होगा पहला दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। पीएम मोदी की 2020 में गलवां घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था। चीन जाने से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान दौरा पर पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। हालांकि पीएम मोदी की जापान और चीन की यात्रा के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इससे पहले अक्तूबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की शी जिनपिंग से कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेजी आई थी। वहीं पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि सदस्य देशों को संगठन के मूल उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफकिसी भी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला जानबूझकर जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक तनाव पैदा करने के मकसद से किया गया था। इस हमले में 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी।

विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत नए विचारों और प्रस्तावों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करेगा।

बिहार में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से शनिवार तक मांगी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया है कि वह बिहार के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 65 लाख मतदाताओं की पूरी जानकारी 9 अगस्त तक पेश करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जानकारी उन राजनीतिक दलों के साथ-साथ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नाम की एनजीओ को भी दी जाए, जिसने इस मुद्दे पर याचिका दाखिल की है।

चुनाव आयोग ने बिहार में 24 जून को 'विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर)' शुरू किया था। इसके तहत 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाता दिखाए गए। लेकिन इसमें से 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग का कहना है कि ये लोग या तो मर चुके हैं, दूसरी जगह स्थायी रूप से चले गए हैं, या दो जगहों पर नाम था। जस्टिस सूर्यकांत, उज्जल भुयान और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा, 'हमें हर उस वोटर की जानकारी चाहिए जिसका नाम हटाया गया है। ये देखें कि किस आधार पर नाम हटे हैं।' वहीं एनजीओ की तरफसे वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, 'राजनीतिक पार्टियों को हटाए गए वोटरों की लिस्ट दी गई है, लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि कौन मरा है, कौन शिफ्ट हुआ है, या किसका नाम गलत तरीके से हटा।' कोर्ट ने चुनाव आयोग को कहा कि वह 9 अगस्त तक जवाब दाखिल करे, ताकि 12-13 अगस्त को इस मामले पर पूरी सुनवाई हो सके।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने मांग की है कि 65 लाख हटाए गए नामों की पूरी सूची प्रकाशित की जाए। हर नाम के साथ यह भी बताया जाए कि उसे क्यों हटाया गया, मौत, स्थायी स्थानांतरण या कोई अन्य वजह।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा देकर कहा, 'हम वोटर लिस्ट को साफ करने का काम कर रहे हैं। हमारा मकसद है कि अपात्र लोग हटें और केवल सही लोग वोटर लिस्ट में रहें।'

इसमें मौत की वजह से करीब 22.34 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। वहीं स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए करीब 36.28 लाख मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हटाए घए हैं। वहीं जिन मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे उनकी संख्या करीब 7.01 लाख है। इससे पहले 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नाम हटाए गए तो वह तुरंत हस्तक्षेप करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि आधार कार्ड और वोटर आईडी को गंभीरता से मान्य दस्तावेज माना जाए।

सुप्रीम कोर्ट से एल्विश यादव को राहत, सांप के जहर से जुड़े मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

यूट्यूब और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने सांप के जहर से जुड़े विवादित मामले में उनके खिलाफ चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। एल्विश यादव ने अपनी याचिका में आरोप पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया।

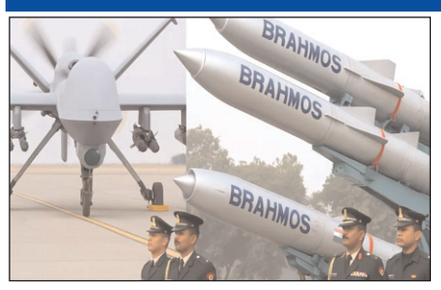

मिसाइल, ड्रोन और ब्रह्मोस तीनों सेनाओं को मिलेंगे 'घातक' हथियार; 67000 करोड़ के रक्षा सौदे को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लगभग 67,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी। इस स्वीकृति के तहत सेना की रात्रिकालीन इन्फैंट्री क्षमताओं में वृद्धि के लिए थर्मल इमेजर, नौसेना के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लांचर तथा बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम के उन्नयन की योजना शामिल है।

वायुसेना के लिए पर्वतीय रडार

सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों में वायुसेना की वायु रक्षा क्षमता को सशक्त बनाने के लिए पर्वतीय रडारों की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, युद्ध की बदलती जरूरतों को देखते हुए तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (एमएएलई-आरपीए) की खरीद भी स्वीकृत की गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएसी ने 67,000 करोड़ रुपये के विभिन्न रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, थलसेना के लिए थर्मल इमेजर आधारित ड्राइवर नाइट साइट की खरीद से बीएमपी वाहनों की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता बेहतर होगी और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री को अधिक गतिशीलता मिलेगी।

भारतीय नौसेना के लिए कांपैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लांचर की खरीद की जाएगी। बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम का भी उन्नयन होगा। कांपैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट की सहायता से नौसेना को पनडुब्बी रोधी अभियानों में खतरों की पहचान, वर्गीकरण और उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता मिलेगी। वायुसेना के लिए पर्वतीय रडारों की खरीद के साथ-साथ स्पाइडर हथियार प्रणाली को उन्नत किया जाएगा, जिससे पूर्वी लद्दाख में चीन सीमा पर निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। यह प्रणाली एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली से भी जुड़ी होगी, जिससे वायु रक्षा क्षमता में और बढ़ोतरी होगी। मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट लंबी दूरी के मिशनों और हमलों के संचालन में सक्षम होते हैं। इससे सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी।

तनातनी को लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मुश्किल संतुलन साधते नजर आ रहे

ट्रम्प की धमकी से डरे 100 से ज्यादा देश:अमेरिका से ट्रेड डील की, भारत समेत 5 देश नहीं झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव कम होने के बजाय और ज्यादा बढ़ता जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पहले घोषित 25 प्रतिशत से काफी अधिक टैरिफ लगाने की धमकी के बीच भारतीय निर्यातकों को अपने सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका तक पहुंच बनाए रखने में दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. एक ओर चीन ने दूसरे देशों को पछाड़ने के लिए कीमतों में काफी कटौती शुरू कर दी है तो दूसरी ओर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ के अतिरिक्त जुर्माने ने अमेरिकी आयातकों और भारतीय निर्यातकों के बीच बातचीत को जटिल बना दिया है. खासकर परिधान और जूते जैसे कम मार्जिन वाले उत्पादों के मामले में.

इंडिया-यूएस के बीच रूसी तेल खरीदने पर जुर्माने को लेकर अनिश्चितता ऐसे समय में आई है जब भारतीय निर्यातकों को आमतौर पर अमेरिकी कारोबारियों से गर्मियों में सूती कपड़ों, हल्के जूतों और लिनेन के कपड़ों सहित थोक ऑर्डर मिलते हैं. आमतौर पर निर्यातक और आयातक अतिरिक्त टैरिफका बोझ साझा करते हैं, लेकिन निर्यातकों का कहना है कि अज्ञात जुर्माने की राशि के कारण अनुबंध रुक गए हैं. यहां पर इस बात का जिक्र कर दें कि अमेरिका से भारत को निर्यात 3.46 लाख करोड़ का होता है. जबकि भारत से अमेरिका को निर्यात 7.35 लाख करोड़ रुपये का होता है.

दोनों देशों के बीच जारी टैरिफके मसले पर जारी तनातनी को लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मुश्किल संतुलन साधते नजर आ रहा है. पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ घनिष्ठ साझेदारी बनाए रखते हुए, रूस-यूक्रेन युद्ध में अपने देश को एक तटस्थ पक्ष बता रहे हैं. साथ ही मास्को पर

प्रतिबंध लगाने वाले पश्चिमी देशों को निराश कर रहे हैं, लेकिन अब, ऐसा लगता है, ट्रंप अपना धैर्य खो चुके हैं. अंब ट्रंप मोदी से से किसी एक पक्ष को चुनने की मांग कर रहे हैं.

ट्रंप ने दी टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी

इस मसले पर भारत का रवैया अमेरिकी पक्ष न देखकर सोमवार को तो ट्रंप ने सीएनबीसी के साथ एक साक्षात्कार में अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफकाफी बढ़ाने की चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि भारत अभी भी रूसी तेल खरीद रहा है. यह स्पष्ट नहीं है कि नई टैरिफ दर क्या होगी ङ्क या वह अब भारत द्वारा वर्षों से किए जा रहे उस कदम पर आपत्ति क्यों जता रहे हैं? हालांकि, यह नई धमकी तब आई है जब उन्होंने पिछले हफ्ते ही भारत से आने वाले सामान पर न्यूनतम 25 प्रतिशत टैरिफलगाने की घोषणा की थी. ट्रम्प का कहना है कि भारत अमेरिका से बहुत ज्यादा व्यापार करता है, लेकिन अमेरिका को भारत से उतना फायदा नहीं मिलता. इसलिए उन्होंने भारत पर 25त्न टैरिफलगाने का फैसला किया है, यह 7 अगस्त 2025 से लागू हो जाएगा, लेकिन वे इस टैरिफको अगले 24 घंटों के भीतर और बढ़ाने जा रहे हैं. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार संतुलन नहीं है और भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफरूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है. इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है.

ट्रंप का रवैया गलत, निशाना बनाना तर्कहीन

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने इसका विरोध किया है और कहा है कि उसे गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और इस कदम को अनुचित बताया है. ऐसे में भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत को निशाना बनाना गलत है. हम अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे. इसके अलावा, विदेश मंत्री जयशंकर ने भी एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया की व्यवस्था में अब किसी एक का दबदबा नहीं चलेगा.

अमित शाह पर 2018 में की गई टिप्पणी से जुड़े केस में चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी को जमानत दी

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था ।

चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्टीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्टीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्टीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इसपर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

स्कूलों के निरीक्षण पर पहुंचे सरपंच प्रतिनिधि रामभगत लाला मित्तल

सक्ती (समय दर्शन)। सक्ती जिले के जैजैपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत मल्दा के सरपंच प्रतिनिधि ने औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि राजेश खूंटे कार्तिक राम कश्यप वह पंचगढ़ उपस्थित थे। सभी ने विद्यालय में चल रही कक्षाओं में जाकर छात्र-छात्राओं से उनका परिचय पूछा व कई सवाल किए, जिसका अधिकतर छात्र-छात्राओं ने सही जवाब दिया। निरीक्षण के क्रम में जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय में बन रहे मध्याह्न भोजन की भी जांच की। कहा कि मध्याह्न भोजन बनाने में साफ सफाई व सुरक्षा का ध्यान रखें। निरीक्षण के क्रम में छात्र-छात्राओं की विद्यालय में उपस्थिति सही पाई गई पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि अब लगातार विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विद्यालय व आंगनबाड़ी की विभिन्न समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने का प्रयास किया जाएगा

नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर को, सफल आयोजन हेतु समन्वय बैठक सम्पन्न

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के तत्वावधान में 13 सितंबर को जिले में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु जिला न्यायालय परिसर मुंगेली में आवश्यक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी ने की। इस अवसर पर प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती मनीषा ठाकुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती कंचन लता आंचला, बीमा कंपनियों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधियों एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती मेरावी द्वारा सभी बैंक शाखाओं, बीमा कंपनियों, विद्युत विभाग एवं नगर पालिका मुंगेली के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से सुलझाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, न्यायालय में लंबित मामलों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के प्रभावी निराकरण की दिशा में आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई।

कोटपा एक्ट के नियमानुसार तम्बाकू दुकानों का संचालन के दिए गए निर्देश

औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 10 दुकानों में की गई चालानी कार्रवाई

मुंगेली(समय दर्शन) मुंगेली जिला में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में कोटपा एक्ट 2003 का उल्लंघन करने वाले तम्बाकू दुकानों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. शीला साहा के मार्गदर्शन में प्रवर्तन दल द्वारा नगर पंचायत सरगांव के आसपास के क्षेत्रों में चालानी कार्यवाही की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से औषधि निरीक्षक श्रीमति किरण सिंह, सोशल वर्कर तंबाकू कार्यक्रम बलराम साकत एवं साइकोलोजिस्ट प्रशिक्षक ओम साहू सरगांव थाना के द्वारा 20 दुकानों मे कार्यवाही की गई, जिसमें 10 दुकानों में 01 हजार रूपए की चालानी कार्रवाई और 10 दुकानों को चेतावनी दिया गया।

24 शराबी वाहन चालकों पर 2,17,000रू. की कार्यवाही, 10 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबन, बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट वाले वाहन चालकों पर विशेष कार्यवाही किया गया

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बालोद श्री देवांश सिंह राठौर एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक श्री राकेश ठाकुर के नेतृत्व में यातायात बालोद एवं सभी थाना/चौकी प्रभारीयों द्वारा जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आम जनों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से माह जुलाई 2025 में यातायात नियमों का पालन करवाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस अभिन के दौरान माह जुलाई/2025 में यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले 2142 वाहन चालकों पर 09,65,200रू. की चालानी कार्यवाही किया गया है। विशेष तौर पर शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 24 शराबी वाहन चालकों पर कार्यवाही कर 2,17,000रू., दोपहिया वाहन में बिना हेलमेट चलने वाले 204 वाहन चालकों से 1,02,600 रू. एवं चार पहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वाले 105 वाहन चालकों पर 53,000रू. की चालानी कार्यवाही किया गया है।

शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 24 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबन के लिए संबंधित परिवहन विभाग को पत्र भेजकर 06 माह के लिए वाहन चालकों का लायेंसस निलंबन की कार्यवाही भी किया जा रहा है। माह जुलाई/2025 में जिला परिवहन कार्यालय बालोद से प्राप्त जानकारी के अधार पर 10 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबन किया जा चुका है। बालोद शहर में मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर वाहन चलाने वाले 02 बुलेट वाहन चालकों के विरूद्ध भी कार्यवाही कर 10,000 रू. जुर्माना वसूल किया गया है।

यातायात पुलिस बालोद के द्वारा लगातार वाहन चालको से अपील किया जा रहा है की शराब सेवन कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए अपने तथा अन्य व्यक्तियों की जान जोखिम में न डाले हमेशा यातायात नियमों का पालन करे आम जनो एवं वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बालोद पुलिस सदैव तत्पर है। यातायात पुलिस बालोद आम नागरिकों से अपील करता है कि मालवाहक वाहन में सवारी भरकर परिवहन न करे, यातायात नियमों का पालन करे, रात्रि में वाहन चलाते समय अपर डिपर का प्रयोग करे, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करे, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, संयमित गति से वाहन चलाएं एवं वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें व वाहन चलाते समय वाहन के दस्तावेज हमेशा अपने साथ रखे।

हिंदी मीडियम स्कूल है ही नहीं, फिर भी हो गया गरीब बच्चों का एडमिशन, आरटीई में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

राजनांदगांव। शिक्षा के अधिकार कानून के तहत गरीब बच्चों को स्कूलों में एडमिशन दिलाने की प्रक्रिया में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। शहर के एक नामी निजी स्कूल ने आरटीई पोर्टल पर हिंदी माध्यम के नर्सरी कक्षा में सीटें दिखाकर 10 बच्चों का दाखिला कर लिया, जबकि हकीकत यह है कि स्कूल में हिंदी माध्यम की कक्षाएं संचालित ही नहीं होतीं।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने डीपीआई संचालक को लिखित शिकायत कर इस पूरे घोटाले की जानकारी दी है। पॉल ने बताया कि उक्त स्कूल ने शिक्षा सत्र 2025-26 में हिंदी माध्यम की नर्सरी में 10 सीटें आरक्षित दिखाकर बच्चों से आवेदन मंगवाए। दस्तावेज जांच के बाद डीपीआई द्वारा ऑनलाइन लॉटरी निकाली गई और 10 बच्चों का चयन भी हो गया। स्कूल ने इन बच्चों को दाखिला भी दे दिया, जबकि स्कूल में हिंदी माध्यम की कक्षाएं ही नहीं चलतीं।

मामला तब और गंभीर हो गया जब द्वितीय चरण में रिक्त सीटों की जानकारी मांगी गई। स्कूल ने इस बार अंग्रेजी माध्यम की नर्सरी में 10 सीटें रिक्त दिखाईं। प्रक्रिया फिर वही दोहराई गई, लॉटरी निकली, बच्चों का चयन हुआ, लेकिन इस बार स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को एडमिशन देने से इंकार कर दिया। स्कूल ने कहा कि अंग्रेजी माध्यम में गरीब बच्चों के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं है।

जांच में सामने आया कि यह तकनीकी गलती जानबूझकर की गई थी। डीईओ, नोडल अधिकारी और स्कूल प्रबंधन की मिलीभगत से इस पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया।

पॉल का कहना है कि मामले को रफा-दफा करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन पालकों में भारी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बच्चों को लेकर बाल अधिकार संरक्षण आयोग और मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे।

आरटीई कानून के तहत निजी स्कूलों को 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित करनी होती हैं। इसके लिए स्कूलों को सरकारी पोर्टल पर जानकारी अपडेट करनी पड़ती है। लेकिन इस मामले में स्कूल ने झूठी जानकारी देकर न केवल कानून का उल्लंघन किया बल्कि गरीब बच्चों के भविष्य से भी खिलवाड़ किया।

फर्जीवाड़े के उजागर होने के बाद पालकों में भारी आक्रोश है। प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस मामले में कड़ी कार्रवाई करता है या हमेशा की तरह लीपापोती कर मामले को दबा देता है।

राधा-कृष्ण मंदिर समिति महेश कालोनी का जन्माष्टमी महोत्सव

कार्यक्रम संबंधित बैठक संपन्न

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राधा कृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी दुर्ग द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह समिति का 20 वर्ष है इस संदर्भ में 3 अगस्त रविवार को समिति द्वारा सकल समाज सहित शहर के प्रबुद्ध जन, समाजिक धार्मिक संस्था के सदस्यों के साथ ही जनप्रतिनिधियों, पार्षदों की

उपस्थिति में राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण पर बैठक आहूत की गई। जिसमें होने वाले जन्माष्टमी महोत्सव के विस्तृत चर्चा हुई एवं सुझाव आए उनके क्रियान्वयन किया गया बैठक में समिति के संरक्षक चतुर्भुज राठी ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम के स्वरूप को बैठक में उपस्थितजनों के समक्ष रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में जोड़ने एवं जुड़ने के लिए आह्वान किया, समिति के कार्यक्रम के संबंध में बताते हुए चतुर्भुज राठी ने कहा कि हम अपनी परंपरा का शतत निर्वाहन कर रहे हैं। यह जन्माष्टमी महोत्सव ना केवल महेश कालोनी राधाकृष्ण मंदिर का है वरण इसे शहर के आयोजन के रूप में लोगों तक ले जाकर उनको जोड़कर इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। बैठक में उपस्थित विभिन्न सामाजिक धार्मिक एवं प्रबुद्ध जनों ने अपने सुझाव दिए।

दिव्या केशरवानी को पहनाया गया सावन सुंदरी का ताज

बिर्रा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ केशरवानी वैश्य महिला सभा के तत्वावधान में सावन के पावन अवसर पर हरियाली तीज महोत्सव एवं सावन उत्सव का आयोजन बिर्रा स्थिति मंगल भवन में किया गया।छत्तीसगढ केशरवानी वैश्य महिला सभा की अध्यक्ष विभा विजय केशरवानी जी व महामंत्री श्रीमती आरती केशरवानी के आह्वान और मार्गदर्शन में केशरवानी वैश्य महिला सभा बिर्रा द्वारा यह आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती आरती गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री श्रीमती सुषमा निलेश केशरवानी जी,श्रीमती बिन्दु केशरवानी जी रही तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में निलेश केशरवानी(छत्तीसगढ़ केशरवानी वैश्य सभा के महामंत्री) विशेष रूप से उपस्थित थे। केशरवानी महिला सभा बिर्रा के अध्यक्ष श्रीमती रीता केशरवानी कार्यक्रम संयोजक रुचि केशरवानी, महामंत्री दिव्या केशरवानी, सदस्य श्रुति केशरवानी के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों की उपस्थिति में कुल गोत्राचार्य महर्षि कश्यप मुनि जी की पूजा अर्चना से की गई। इस अवसर पर सभी सदस्यों द्वारा अतिथियों का श्रीफल और पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया तदुपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी करुणा केशरवानी के मार्गदर्शन में महिलाओं द्वारा गीत, संगीत पर मनमोहक नृत्य किया गया। वहीं एक पेड़ मां के नाम पर अतिथियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया गया। सावन सुंदरी क्वीन

प्रतियोगिता -2025 का आयोजन मुख्य अतिथि श्रीमती आरती गुप्ता द्वारा चिट के माध्यम से किया गया। सावन सुंदरी के रूप में दिव्या केशरवानी का चयन किया गया अतिथियों द्वारा उन्हें क्विन का ताज पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ से दिव्या केशरवानी का सम्मान किया गया व शुभकामनाएं दी।सावन उत्सव में सभी महिला सदस्य द्वारा पारंपरिक हरे परिधान में सावन के झूले में सावन क्विन एवं अतिथियों के साथ फोटोग्राफी कर हर्षोल्लास के साथ सवानोत्सव को आनंदमय बनाया।कार्यक्रम सहयोगकर्ता के रूप में श्रीमती दरसबाई, शांति बाई, कालिंदी केशरवानी, सरिता केशरवानी, ममता केसशवानी, प्रतिभा केशरवानी, संतोषी केशरवानी, विद्या केशरवानी, अनीता केशरवानी, संतोषी केसशशरवानी, मीना केशरवानी ,विमलेश्वरी केशरवानी,रिचा केशरवानी,चित्ररेखा केशरवानी,जीवनी केशरवानी,ललिता केशरवानी, श्रेया केशरवानी, निधि केशरवानी, मीनाक्षी केशरवानी,अंजू केशरवानी, कामिका केशरवानी, अंजलि केशरवानी, नीलू केशरवानी, उपस्थित थे मंच संचालन के रूप में संजय केशरवानी का सराहनीय योगदान रहा। तत्पश्चात स्वल्पाहार की व्यवस्था किया गया।

बंसूला स्कूल मे शिक्षक पालक मेगा बैठक2025-26का भव्य आगाज

शिक्षा वह शेरनी का दूध है,जो पियेगा वो दहाड़ेगा

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बंसूला बसना में, जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला महासमुन्द के दिशानिर्देश पर पालक शिक्षक पालक मेगा बैठक आयोजित किया गया ।

इस बैठक में अतिथि के रूप में जनपद सदस्य जन्मजय साव, सरपंच नवीन साव,पत्रकार अभय धृतलहरे, पूर्व प्र पा एस जे पटेल ,शाला विकास समिति के अध्यक्ष चंदन चौहान एवं संकुल समन्वयक गोवर्धन डडसेना उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता एवं मां सरस्वती की तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का स्वागत माला एवं पुष्पगुच्छ से किया।

छ ग शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मंसानुरूप राज्य के प्रत्येक शासकीय विद्यालयों मे पालक शिक्षक मेगा बैठक कराकर पालकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर अपने बच्चे की प्रगति से अवगत कराने एवं भविष्य की संभावनाओं का आंकलन कर पालकों के साथ समन्वय साधते हुए संयुक्त रूप से उन्मुखी प्रयास करने निम्न बिन्दुओं पर सारगर्भित चर्चा की गयी।

बैठक में घर का वातावरण विद्यालयीन बच्चों के शैक्षिक गतिविधियों के लिए घर मे भी अच्छा वातावरण या पढ़ाई का कोना होना आवश्यक है,जहाँ बच्चे स्वच्छंद रूप से पढ़ सके।

छात्र दिनचर्या- पालकों को चाहिए कि,बच्चा किस समय क्या कर रहा है इसके लिए नियमित दिनचर्या सुनिश्चित हो।

बच्चा आज क्या सीखा- बच्चे की शिक्षा मे सहभागिता बनकर बच्चों ने विद्यालय मे क्या सीखा इसका दैनंदिन मानिटरिंग जरूरी हो।

बच्चा बोलेगा बेझिझक- छात्रों मे सार्वजनिक रूप से विचार अभिव्यक्ति की कौशल जागृत करने प्रार्थना सभा मे बोलने प्रेरित करें ।

बच्चों की अकादमिक प्रगति एवं परीक्षा पर चर्चा- परीक्षा के समय बच्चों का तनाव कम करने उन्हें सकारात्मक संवाद, पर्याप्त नींद एवं संतुलित आहार दें।

बस्ता रहित शनिवार- इस दिन विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों जैसे-कबाड़ से जुगाड़, पानी बचाओ,धरती बचाओ,ऊर्जा संरक्षण, पेड़ पौधों का संरक्षण, शारीरिक नैतिक शिक्षा, किचन गार्डन, योगा,खेल कूद,सांस्कृतिक कार्यक्रम से रचनात्मक शिक्षा दी जावे ।

विद्यार्थियों की आयुनुसार स्वास्थ्य परीक्षण- इसके तहत समय समय पर उम्र अनुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम बुलाकर विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना।

जाति,निवास एवं आय प्रमाण-पत्र पूर्ण करवाना- जरूरतमंद बच्चों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने शासन प्रशासन अनु जाति, जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के बच्चों का जाति,तथा सभी वर्ग के बच्चों के लिए निवास व

आय प्रमाण पत्र समय सीमा मे बनवाने हेतु प्रेरित किया गया।

न्योता भोजन- सामुदायिक भागीदारी पर आधारित गाँव मे आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों को स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन कराने की नेक पहल से बच्चे चहकने लगे हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी- विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने शासन की मंसानुरूप

छात्रवृत्ति एवं विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी ।

इसके अतिरिक्त नवाचारी शिक्षा जैसे

दीक्षा एप(नॉलेज) , ई-जादुई पिटारा,डिजिटल लाइब्रेरी से बच्चों के शैक्षिक विकास मे मदद मिलेगी।

शिक्षक राजेश भोई ने उक्त बिन्दुओं का वाचन कर विस्तृत चर्चा किया।

पालकों को संबोधित करते हुए पत्रकार अभय धृतलहरे ने कहा कि,विषम परिस्थितियों में भी बाबा साहब अम्बेडकर ने सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त कर देश के संविधान निर्माण मे अद्वितीय भूमिका निभाई। उन्होने कहा था,शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा,वह दहाड़ेगा । आशय स्पष्ट है, जो अच्छी तालीम के साथ आगे बढ़ेगा सफलता उसके ही कदम चूमेगी ।

इसी तारतम्य में जनपद सदस्य जन्मजय साव, सरपंच नवीन साव,पूर्व प्रधान पाठक एस जे पटेल,प्रधान पाठक,दिनेश डड़सेना, प्रवीर बेहेरा ने भी अपने व्यक्तव्य में पालकों को प्रेरित किया ।

कार्यक्रम के अंत मे शाला विकास समिति के नव नियुक्त अध्यक्ष एवं समिति सदस्यों तथा पालक प्रमुखों को संकुल समन्वयक द्वारा शपथ दिलायी गयी।

आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक दिनेश डडसेना ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने शाला विकास समिति के अध्यक्ष चंदन चौहान, उपाध्यक्ष भारत साव, विद्यालय स्टाफ संतोषी साहू,पद्मिनी साहू,प्रकाशिनी नंद,अनिता साहू,सीता साहू,पुष्पांजलि बगर्ती,सुजाता प्रधान, मंदाकिनी प्रधान,राजेश साव,शशि साव एवं बाल केबिनेट के प्रमुखों का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, फसल हानि के प्रकरणों का संवेदनशीलता से करें निराकरण : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति के प्रकरणों में त्वरित, नियमानुसार एवं संवेदनशीलता से क्षतिपूर्ति सहायता प्रदान की जाए। वनांचल में निवासरत लोगों को कई बार वन्यप्राणियों के हमलों से अपनों को खोने की पीड़ा सहनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावितों के दुख-दर्द का मानवीय दृष्टिकोण से शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाथी-मानव द्वंद्व और अन्य हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाएं राज्य के वनांचल क्षेत्रों में चुनौती बनकर उभर रही हैं। ऐसी स्थितियों में शासन की जिम्मेदारी है कि पीड़ितों को शीघ्र एवं

न्यायसंगत सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जंगली हाथियों द्वारा धान जैसी प्रमुख फसल के अतिरिक्त गन्ना, केला, पपीता एवं कटहल जैसी नगदी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे किसानों को आर्थिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी दोहरी मार झेलनी पड़ती है। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रदत्त व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदत्त सहायता समय पर प्रभावितों तक पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। जनहानि, स्थायी अपंगता, पशुहानि, मकान क्षति तथा फसल हानि के लिए दी जाने वाली क्षतिपूर्ति दरों में वृद्धि किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में प्रस्तुत किया गया।

बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति के आरबीसी के प्रावधानों के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि पर भी चर्चा की गई।

बैठक मे मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव (वन) श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, कृषि विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी सचिव श्री अंकित आनंद, सचिव (वन) श्री अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री सुधीर अग्रवाल, अपर मुख्य वन संरक्षक श्री प्रेम कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली बिल हाफयोजना बंद किये जाने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन 7 को

रायपुर। बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के विरोध में तथा आम जनता को न्याय दिलाने व हाफ बिजली योजना के तहत 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफयोजना वापस फिर से शुरू किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। 6 अगस्त को जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ता एवं 7 अगस्त को जिला मुख्यालय स्थित बिजली ऑफिस के समक्ष विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य भाजपा सरकार द्वारा हाफबिजली बिल योजना के तहत 400 यूनिट की सीमा को समाप्त कर आम जनता के ऊपर अत्याचार कर रही है। बिजली की दरों में हुई बेतहाशा वृद्धी और हाफबिजली बिल योजना को समाप्त किये जाने से आमजनता को बिजली बिल के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि साय सरकार ने मात्र 100 यूनिट के भीतर की खपत वाले का ही बिजली बिल हॉफ करने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के अधिसंख्यक उपभोक्ता बिजली बिल हाफयोजना से वंचित हो गये है। वर्तमान निर्देश के अनुसार 100 यूनिट से अधिक खपत होने पर बिजली बिल पूरा लगेगा तथा 100 यूनिट का छूट भी नहीं मिलेगा। बैज ने कहा कि पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाया था। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोत्तरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई थी। डेढ़ साल के भीतर साय सरकार ने घरेलू बिजली की दरों में अब तक कुल 80 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोत्तरी की है। सरकार के इस जन विरोधी निर्णय के खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

अविरल सेवा अवॉर्ड: शकुंतला फाउंडेशन ने किया 101 सेवा कार्यकर्ताओं का सम्मान

रायपुर। समाजसेवी संस्था शकुंतला फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती स्मिता सिंह द्वारा वृंदावन हाल, सिविल लाइन्स में 'अविरल सेवा अवॉर्ड' सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से बाल हृदय रोगी बच्चों की सहायता हेतु किया गया और इस दिशा में सेवा कर रहे लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जितेन्द्र शादीजा, उपाध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स, और अतिविशिष्ट अतिथि कमलेश जैन ट्रस्टी (श्रीमती चंपादेवी इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट) उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि डॉ. विनोद आहूजा, अमर गुरनानी, डॉ. कविता कुंभज, वरिष्ठ समाजसेवी तुर्ण निहाल, डॉ. आरती साठे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

सम्मानित हुए सेवा जगत के 101 दिग्गज- इस समारोह में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के स्वास्थ्य, शिक्षा, कला एवं सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तीन दर्जन से अधिक वर्गों के कुल 101 सेवा कार्यकर्ताओं को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रमुख सम्मान-प्राप्तकर्ताओं में शामिल हैं:- सरकारी अस्पताल दुर्ग की विनीता धुर्वे, ज्योति धुर्वे, मंजू राठौर, कुंती ठाकुर, एसपी साहू (गो सेवा), डॉ. अभिषेक मिश्रा, अनामिका गुहा रॉय, पीयूष जैन और विवेक धुर्वे (कार वाले गुरुजी)। ये सभी अपनी-अपनी सेवाओं के लिए मोमेंट्स सर्टिफिकेट से सम्मानित किए गए। सम्मेलन में शिव वंदना, सुरम्य गीत और नृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिन्होंने माहौल को भक्तिमय और मनोहारी बना दिया। संस्था सचिव संजना सिंह, उद्घोषिका पद्मा घोष के अलावा रतना नारमदेव, प्रीति अजय बेहरा, देवराज गुरनानी, सुभदा पाठक, गोविंद अग्रवाल, राहुल कुंभज, सुषमा बग्गा, वैभव गुप्ता, माया तिवारी सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से इस कार्यक्रम में शामिल थे। इस आयोजन की अपार सफलता और समाज सेवा को सम्मानित करने वाली इस पहल के लिए सभी उपस्थित लोगों ने शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की सराहना की। उन्होंने इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बताया।

हर-घर तिरंगा कार्यक्रम में सभी उत्साह से भाग लें : राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने देश व प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने घरों में तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस को सम्मान व गर्व के साथ मनाएं। देश एवं प्रदेश में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर-घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन 2 से 15 अगस्त तक किया जा रहा है। राज्यपाल डेका ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल झण्डा फहराने की परंपरा नही है बल्कि हमारी राष्ट्र भक्ति, एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगे के साथ हमारा जुड़ाव, हमारे संविधान, संप्रभुता और गौरवशाली विरासत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करते हुए उनसे प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

30 लाख की लूट में फरार आरोपी योगेश नाई राजस्थान से गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में 30 लाख रुपये की बड़ी लूट की वारदात में फरार चल रहे एक और आरोपी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम योगेश नाई है, जिसकी उम्र 20 वर्ष है और वह डुगरगढ़, जिला बीकानेर (राजस्थान) का रहने वाला है। आरोपी को 3 अगस्त को बीकानेर से गिरफ़्तार किया गया और 4 अगस्त को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। यह पूरा मामला 1 मई 2025 का है, जब प्रार्थी महावीर प्रसाद शर्मा ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, वह रात करीब 7:45 बजे समता कॉलोनी स्थित अपने घर लौट रहा था।

आधा दर्जन फ्लैट्स में चोरी करने वाले 2 अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में फ्लैट्स को निशाना बनाकर आधा दर्जन से अधिक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो अंतर्राज्यीय चोरों को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और चोरी के बाद फरार होते हुए अम्बिकापुर में पुलिस के हत्थे चढ़े।

एक जैसी वारदात, अलग-अलग थाने

चोरों ने थाना आमानाका, कबीर नगर, न्यू राजेन्द्र नगर समेत अन्य थाना क्षेत्रों में फ्लैटों के ताले तोड़कर लाखों की चोरी की थी। घटना के बाद तीन थानों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिनमें बीएनएस की धारा 331(3), 305(ए) लगाई गई है।

कैसे पकड़े गए आरोपी ?

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने एक विशेष टीम बनाई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना के आधार पर आरोपियों को अम्बिकापुर से पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने फ्लैटों में घुसकर ताले तोड़ने और लाखों के जेवर व सामान चुराने की बात कबूल की।

जप्त सामान: सोने के जेवरात – 36 ग्राम, चांदी के जेवरात – 843 ग्राम, 9 हाथ घड़ियाँ, 1 iPhone, 3 मोबाइल फोन, कुल अनुमानित मूल्य – ?6.20 लाख

गिरफ्तार आरोपी:

विनोद सन्नी गौर, उम्र 22 वर्ष, निवासी पुणे, महाराष्ट्र

रेयान उर्फ अमन फैय्याज शेख, उम्र 20 वर्ष, निवासी कुरला वेस्ट, मुंबई

आगे की कार्रवाई:

दोनों आरोपियों पर रायपुर के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस को इनसे जुड़े अन्य मामलों की भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। रायपुर पुलिस ने फ्लैट में रहने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा के उपाय सख्ती से अपनाएं, और यदि किसी संदिग्ध की गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

अधिकारी-कर्मचारी अपने स्वयं के आवासीय परिसर में सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करें - मुख्य अभियंता

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य सौर उर्जा का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु घर-घर आवश्यकतानुरूप सौर उर्जा संयंत्र स्थापित कर उपभोक्ताओं को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने एवं मासिक बिजली बिल में कमी लाना है। योजना के तहत रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए एक वॉट से तीन किलो वॉट तक केन्द्रीय और राज्य सरकार द्वारा 45 हजार से एक लाख 8 हजार रूपए तक अनुदान दिया जाएगा।

मुख्य अभियंता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के सभी नियमित अधिकारी-कर्मचारियों को अपने

आवासीय परिसरों में रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने की सलाह दी जाती है। सोलर प्लांट केन्द्रीय और राज्य वित्तीय सहायता के रूप में 45 हजार रूपए से एक लाख 8 हजार रूपए तक अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। उन्होने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी अपने स्वयं के आवासीय परिसर में रूफटॉप सोलर प्लांट की स्थापना किया जाना सुनिश्चित करें, जो अधिकारी-कर्मचारी बोर्ड क्वार्टर, किराए के मकान या बहुमंजिला इमारतों में रह रहे हैं, वे अपने गृहनगर (छत्तीसगढ़ राज्य) में स्थित स्वयं के या पुश्तैनी मकान पर रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित कर सकते हैं। इसके साथ ही बहुमंजिला इमारत में रहने वाले अधिकारी-कर्मचारी, वर्चुअल नेट मीटरिंग के माध्यम से रिहायशी सोसाइटी सदस्यों के समन्वय स्थापित कर आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए एक वॉट से तीन किलो वॉट तक पर केन्द्रीय और राज्य सरकार द्वारा 45 हजार रूपए 45 हजार से एक लाख 8 हजार रूपए तक अनुदान दिया जाएगा।

मुख्य अभियंता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को एक वॉट से तीन किलो वॉट तक की क्षमता के रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने हेतु 6 प्रतिशत के ब्याज दर पर 10 वर्षों के लिए बैंक द्वारा लोन की सुविधा हैं जो उपलब्ध करायी जाएगी, जिसकी ईएमआई राशि सामान्य मासिक बिल से भी कम है। उन्होने अधिकारी-कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि 3 माह के भीतर अपने परिसरों में रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करें अन्यथा पॉवर कंपनी द्वारा दी जा रही बिजली बिल में विशेष रियायत की सुविधा को स्थगित किये जाने पर विचार किया जाएगा। उक्त योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाये एवं अधिक जानकारी के लिए पी.एम.सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऑनलाईन पोर्टल पर लॉग ऑन कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. अखिल जैन ने किसानों को बताया प्राकृतिक खेती का महत्व

कृषि मंत्री को भेंट की गोबर से बनी चटाई

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के राज्य कृषि प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सोमवार को 'प्राकृतिक खेती- परिचय प्राकृतिक खेती का वर्तमान समय में आवश्कता, महत्व एवं लाभ' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस विषय पर विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने एक घंटे तक व्याख्यान दिया। साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रशिक्षित

किया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम को जैन ने गोबर से बनी चटाई भेंट की। मंत्री नेताम ने मनोहर गौशाला में होने वाले कार्यों की सराहना की। साथ ही गौशाला में हो रहे रिसर्च पर अखिल जैन को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में खेती विशेष को लेकर एक विशेष बुकलेट का भी विमोचन किया गया, इसमें भी जैन शामिल हुए।

हमारा जीवन निर्विकार होना चाहिए

विकारों से मुक्त जीवन ही आत्मा को परमात्मा बनाएगा : मनीष सागर

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में मंगलवार को चातुर्मासिक प्रचवनमाला में युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि हमारा जीवन निर्विकार होना चाहिए। विकार मुक्त जीवन ही हमारी आत्मा की अशुद्धियों को दूर कर परमात्मा बनाएगा। मोह, माया, मान, लोभ,क्रोध आदि विकार जीवन में नहीं होने चाहिए। केवल क्षमा का भाव होना चाहिए। ऐसा काम नहीं करो, जिससे आपको नीचे गिरना पड़े। जैन धर्म भी कहता है- आप नीचे से ऊपर उठो। आत्मा से परमात्मा बनो। जीवन में विकार नहीं करना है। यह अभ्यास होना चाहिए कि स्थिति कैसी भी आए साधना करते-करते ऐसी स्थिति प्राप्त करो कि मन की स्थिति ना बिगड़े।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब क्रोध आए तो जा भी सकता है। अभ्यास ऐसा हो कि क्रोध नहीं करेंगे। व्यक्ति की आदतें कितनी भी बिगड़ी हो, जब वह अपनों से मिलता है तो विकार नहीं आते।

यही प्रयास बाहर भी होना चाहिए। बाहर भी विकार ना आए ऐसा प्रयास करो। आपके भीतर जो योग्यता है वैसा बनने का प्रयास करो। जहां विकार है वहां भार है। जहां विकार नहीं वहां आनंद है। आप में क्रोध नहीं है तो आपको फायदा होगा। क्रोध नहीं होने से आप शांत रहोगे। लगातार अपने योग्यता को बढ़ाएं। इस भाव में नहीं होगा लेकिन आगे आने वाले भवों में प्रयास सफल होगा। ऐसा प्रयास कर ही आत्मा परमात्मा बनेगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हम हर चीज प्रारंभ चिंतन से करते हैं। धीरे-धीरे उसे चिंताओं में पहुंचा देते हैं। अंत में चिता ही बच जाती है। चिता में जाने से पूर्व चिंतन की चिंता में रहते हैं। आत्मा ही परमात्मा बनेगी यह आपके भीतर शंका है। आत्मा को पूरी तरह आपने समझा नहीं है। आत्मशक्ति को पहचाना नहीं है। आपको विश्वास नहीं है कि आत्मशक्ति में बहुत ताकत है। जिस दिन अपनी आत्मशक्ति पर भरोसा हो जाएगा, उस दिन आत्मा निर्विकार हो जाएगी। सद्गुरु जो सत्य बताते हैं वह समझ आना चाहिए। विश्वास होगा, तभी आनंद आएगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि आत्मा यदि परमात्मा बनेगी तो स्वयं के बल पर ही बनेगी। वह बल आपके रहता है। इसे आत्म स्वरूप कहते हैं। यही स्वयं का स्वरूप है। यह हर आत्मा में मौजूद है। आत्मा के स्वभाव को समझेंगे तो इसकी पहचान भी समझ आती है। आत्मा के अनंत सद्गुण किसी भी गति में कभी नष्ट नहीं हो सकते। आत्मा का स्वभाव किसी से प्रभावित नहीं होता है। जैसे परमात्मा किसी भी परिस्थिति में प्रभावित नहीं होते हैं। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जिस दिन यह अनुभव होगा कि मैं स्वभाव से परमात्मा ही हूं। यह अनुभूति राग और द्वेष को काम करती है। हमारे परमात्माओं ने पर को छोड़ा और स्व का आश्रय लिया। स्वयं जैसे हैं वैसे अनुभूति किए। राग और द्वेष को छोड़कर आत्मा के शुद्ध स्वभाव को ध्यान में रखकर आत्म साधना में लीन रहे। यही मार्ग परमात्मा बनने का है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमें हमारी धारणाओं और मान्यताओं की दीवार को भेद कर भीतर प्रवेश करना है। हमने बहुत सी धारणाएं और मान्यताएं बना ली है। इन्हीं में उलझ कर रहते हैं। हम हमारी वास्तविक पहचान नहीं जानते। हम अपनी आत्म शक्ति को नहीं पहचानते। आत्मा के स्वभाव को नहीं जानते। सिर्फ भौतिक पहचान को ही अपना मान बैठे हैं। अपना नाम, रुतबा,धन संपदा आदि भौतिक सुखों को के मोह में फंसकर असली पहचान को भूल गए हैं। भौतिक पहचान अस्थाई है। यह शरीर भी अस्थाई है। यह एक दिन छूट जाएगा। आत्मा जैसी थी वैसी ही रहेगी।

संपादकीय

असली फायदा भारत को

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लेकिन लगता है कि असली फायदा भारत को मिलने वाला है। भारत से 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क श्रेणियां खत्म होंगी। दोनों देशों में व्यापार 34 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं बस ब्रिटेन की संसद को इसे मंजूरी की औपचारिकता बाकी है। अब भारतीय वस्तुओं के लिए सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। व्यापार समझौते के बाद भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन में बेहतर बाजार मिलेगा और कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग को वृद्धि के नये अवसर मिलेंगे। समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, एमएसएमई क्षेत्र के लिए वरदान समान साबित होगा। ब्रिटेन में बने चिकित्सा और वैमानिकी उपकरण जैसे उत्पाद भारतीयों एवं उद्योगों तक किफायती कीमत पर पहुंच सकेंगे। दोनों देश एफटीए के साथ 'दोहरे अंशदान समझौते' (डीसीसी) पर भी आम सहमति के करीब हैं। इससे दोनों के सेवा क्षेत्र, खासकर प्रौद्योगिकी और वित्त, में नई ऊर्जा का संचार होगा। ब्रिटेन का भी भारतीय बाजार में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त मिलेगी। ब्रिटेन पहले से ही भारत से 11 अरब पाउंड का सामान आयात करता है लेकिन भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम होने से ब्रिटिश उपभोक्ताओं के लिए भारतीय उत्पादों की खरीद अधिक आसान हो जाएगी। इससे ब्रिटेन को होने वाला निर्यात बढ़ेगा। दीर्घावधि में ब्रिटेन की जीडीपी में सालाना 4.8 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी जिसका फायदा ब्रिटेन के हर क्षेत्र को होगा। ईयू छोड़ने (ब्रेक्जिट) के बाद ब्रिटेन के लिए यह सबसे महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता है। भारत के लिए भी यह अब तक का सबसे व्यापक समझौता है। ब्रिटेन और भारत के बीच निर्यात एवं आयात करने के लिए बहुत से दस्तावेज की जरूरत भी कम हो जाएगी और प्रक्रिया बहुत सरल हो जाएगी। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुआ यह समझौता ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को मुश्किल से निकालेगा तो भारत को भी दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती

अजीत द्विवेदी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह शिगूफा छोड़ा है। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में खूब हंगामे के बाद उन्होंने सदन के बाहर मीडिया से कहा कि वे विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के बारे में विपक्ष की दूसरी पार्टियों से बातचीत करेंगे और जनता की राय भी लेंगे। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यह भी कहा कि जब बेईमानी से सब कुछ तय कर रखा है कि किसको कितनी सीटें देनी हैं तो देखा जाएगा कि क्या किया जा सकता है। उनके कहने का आशय यह था कि अगर विपक्षी पार्टियों में सहमति बनती है और जनता का रुख सकारात्मक दिखता है तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। इसका मतलब है कि, 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी'। इससे जाहिर होता है कि विपक्ष को चुनाव का बहिष्कार नहीं करना है, बल्कि चुनाव के बहिष्कार की बात करके पूरी चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगाना है। वास्तविकता यह है कि विपक्ष ने चुनाव आयोग पर जिस तरह के आरोप लगाए हैं उसके बाद कोई कारण नहीं दिखता है कि विपक्ष चुनाव का बहिष्कार न करे। दिल्ली में राहुल गांधी से लेकर पटना में तेजस्वी यादव और मुंबई में उद्धव ठाकरे से लेकर लखनऊ में अखिलेश यादव तक कोई भी विपक्षी नेता नहीं बचा है, जिसने चुनाव आयोग पर सरकार के साथ मिल कर काम करने और विपक्ष को चुनाव हराने के बंदोबस्त करने के आरोप नहीं लगाए हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में जनादेश चुरा लेने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मैच फिक्सिंग से भाजपा ने महाराष्ट्र का चुनाव जीता और ऐसे ही मैच फिक्सिंग बिहार में हुई है। अब वे कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़े लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि जनादेश कैसे चुराया जाता है यह कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़ों से ब्लैक एंड व्हाइट में सबके सामने आ जाएगा। इस तरह वे यह भी बताना चाह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव का जनादेश भी चुराया गया था। राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने से पहले ही कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा जैसे मैच फिक्सिंग से चुनाव जीती है वैसे ही बिहार में भी मैच फिक्सिंग है। उनके इस बयान के थोड़े दिन बाद बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण शुरू हो गया। इसके विरोध में तेजस्वी यादव के साथ साथ राहुल गांधी भी पटना की सड़कों पर उतरे। विपक्ष का आरोप है कि उनके मतदाताओं के नाम काट कर और फर्जी नाम जोड़ कर भाजपा को जिताने की तैयारी हो रही है। सोचें, विपक्ष ने चुनाव आयोग पर कितनी तरह के आरोप लगाए हैं। मतदाता सूची में फर्जीवाड़े का आरोप सबसे नया है। मतदाता सूची में फर्जीवाड़े के अलावा फर्जी वोट डलवाने, मतदान समाप्त होने के बाद आंकड़ों में गड़बड़ी करने, अचानक मतदान का प्रतिशत बढ़ जाने, मतदान केंद्रों के वीडियो नहीं जारी करके गड़बड़ी छिपाने आदि के आरोप पिछले एक साल से लग रहे हैं। उससे पहले सारा फोकस इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम में गड़बड़ी का था। विपक्ष का पूरा इकोसिस्टम साबित करने में लगा था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा जीत रही है। हालांकि विपक्ष किसी ठोस सबूत से इसे प्रमाणित नहीं कर सका। बहरहाल, अब सीधे चुनाव कराने वाली संस्था यानी चुनाव आयोग को ही कठघरे में खड़ा कर दिया गया है। सोचें, अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी करता है, मनमाने तरीके से कुछ खास समुदाय या जातियों के वोट काटता है और दूसरे फर्जी वोट जोड़ता है, शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के बाद लाखों की संख्या में वोट डलवा देता है, रात 11 बजे के बाद या मतदान के अगले दिन अचानक मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी कर देता है, ईवीएम में गड़बड़ी करके मतदान प्रतिशत बढ़ाता है और भाजपा की जीत सुनिश्चित करता है तो फिर विपक्ष को क्यों चुनाव लड़ना चाहिए? अगर विपक्ष अपने इन आरोपों के प्रति गंभीर है और इनकी सचाई पर उसको यकीन है तो फिर उसे किसी हाल में चुनाव नहीं लड़ना चाहिए।

नीतीश कुमार देश के अगले उप राष्ट्रपति?

हरिशंकर व्यास

21 जुलाई को जगदीप धनखड़ का इस्तीफा हुआ तो सर्वाधिक पतंगें बिहार से उड़ीं। अभी तक बिहार से ही अगला उप राष्ट्रपति बनने के दावे किए जा रहे हैं। चूंकि बिहार में विधानसभा चुनाव हैं और मोदी-शाह पूरा दम लगा रहे हैं कि किसी तरह से बिहार में भाजपा का सीएम बने तो सबसे ज्यादा कयासबाजी वहीं से होनी थी। इससे एक दिन पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कह दिया था कि नीतीश को अपने बेटे निशांत कुमार को आगे लाना चाहिए। उससे भी अटकलों को बल मिला। जैसे ही धनखड़ का इस्तीफा हुआ वैसे ही पटना में आग की तरह यह अफवाह फैली की नीतीश कुमार देश के अगले उप राष्ट्रपति हो रहे हैं। उसके आगे पूरा रोडमैप जारी कर दिया गया। कहा गया कि नीतीश उप राष्ट्रपति होंगे और बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा। उसके साथ ही नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और वे जनता दल यू की कमान भी संभाल लेंगे।

नीतीश की सेहत कैसी है और उनके बेटे की राजनीतिक समझ और अनुभव क्या है, यह सब जानते हैं फिर भी कई दिनों तक यह पतंगबाजी होती रही। हकीकत यह है कि इनमें से कुछ नहीं होने वाला है। नीतीश कुमार किसी हाल में बिहार नहीं छोड़ने वाले हैं और भाजपा को भी यह हकीकत पता है कि नीतीश से मुख्यमंत्री की कुर्सी छुड़ाना कितना मुश्किल है। भाजपा को यह हकीकत भी पता है कि अगर नीतीश अभी तस्वीर से हटे तो फिर एनडीए की संभावना शून्य होगी। दूसरा कोई चेहरा भाजपा और जदयू दोनों के पास नहीं है, जिसे नीतीश की जगह प्रोजेक्ट किया जाए। अगर नीतीश हटे तो स्वाभाविक रूप से तेजस्वी यादव की कमान बनेगी और पिछले 11 साल के अपने अनुभव के आधार पर वे ओबीसी के नेता के तौर पर स्थापित होंगे। इससे भाजपा का सपना स्थायी रूप से टूटेगा।

इस राजनीतिक कारण के अलावा यह भी हकीकत है कि उप राष्ट्रपति का पद भले सजावटी होता है, जिसे गाहे बगाहे खत्म करने की बात होती रहती है लेकिन उसकी एक बड़ी जिम्मेदारी राज्यसभा के सभापति के तौर पर होती है। राज्यसभा में सरकार को हमेशा बहुमत का जुगाड़ करना होता है और तमाम बड़ी जीतों के बावजूद भाजपा के अभी तक एक सौ सांसद नहीं हुए हैं। वह बहुमत के आंकड़े से पीछे है। राज्यसभा के सभापति के नाते उप राष्ट्रपति का काम बहुत जटिल और दबाव वाला होता है। नीतीश अब वह दबाव झेलने की स्थिति में नहीं हैं। बिहार विधानसभा में भी वे अब कभी भी विषय पर नहीं बोल पाते हैं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति कम से कम कर दी गई है। जहां जाते हैं वहां रटी हुई चार छह लाइनें बोलते हैं। वे कभी किसी का नाम भूल जाते हैं, किसी के भी पैर छूने लगते हैं, किसी को कुछ भी बोल देते हैं ऐसे व्यक्ति को राज्यसभा का सभापति नहीं बनाया जा सकता है। उनके बेटे की उम्र 44 साल हो गई है और उनका कोई राजनीतिक प्रशिक्षण नहीं हुआ है। इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाना या पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना संभव नहीं है।

नीतीश और निशांत को लेकर चल रहा कयास जब थमा तो रामनाथ ठाकुर को लेकर पतंगबाजी शुरू हो गई। रामनाथ ठाकुर के पिता कर्पूरी ठाकुर को पिछले ही साल भारत रत्न मिला है। उसके बाद जब जनता दल यू की वापसी हुई एनडीए में और वह सरकार में शामिल हुई तो ठाकुर को केंद्रीय राज्यमंत्री बनाया गया। वे अति पिछड़ा समाज की नाई जाति से आते हैं। यह संयोग भी था कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद रामनाथ ठाकुर के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कुछ अन्य नेताओं की एक मीटिंग हुई। उसके बाद तो अफवाहों को पंख लग गए। कहा जाने लगा कि बिहार में अति पिछड़ा वोट साधने के लिए रामनाथ ठाकुर को उप राष्ट्रपति बनाया जा रहा है। अगर रामनाथ ठाकुर नहीं बनते हैं तो फिर कौन?

इस सवाल का जवाब राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश में देखा जा रहा है। बिहार के लोग छोड़ने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने हरिवंश को उप राष्ट्रपति बनाना शुरू कर दिया है। कहा जा रहा है कि वे सरकार के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं। उप सभापति के नाते वे कई बरसों से राज्यसभा का संचालन कर रहे हैं। उनके बारे में यह कहा जा रहा है कि बिहार से कोई राजपूत मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज राजपूतों को उनके नाम पर खुश किया जा सकता है। इसके अलावा उनके नाम से तीन राज्यों की राजनीति सधने का दावा किया जा रहा है। वे उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्होंने झारखंड में लंबे समय तक पत्रकारिता की है और बिहार से दूसरी बार राज्यसभा के सांसद बने हैं। रामनाथ ठाकुर और हरिवंश वाली कयासबाजी अभी तक चल रही है।

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही रणनीतिक स्वायत्तता है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है— जैसे ब्रिक्स+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी— जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफतौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

उत्तरकाशी के धराली गांव में आई प्राकृतिक आपदा से धधकते सवाल?

कमलेश पांडे

भारत वर्ष में विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। बावजूद इसके ब्रेक के बाद यहां आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के बारे में सटीक अनुमान लगा पाना अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एआई के अप्रत्याशित विकास के बावजूद शोधकर्ताओं की उदासीनता और लापरवाही से विषयगत सफलता अभी तक हासिल नहीं की जा सकी है। इसलिए सरकार, निजी उद्यमियों और शोधार्थियों को इस ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। खासकर मौसम विज्ञान और पर्यावरण ज्योतिष के अनुसंधान कर्ताओं को इस ओर ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। इससे समय रहते ही हमें सटीक भविष्यवाणी करने में मदद मिलेगी और ऐसी आपदाओं के बाद होने वाली भारी धन-जन की हानि भी रोकने में मदद मिलेगी। और यदि ऐसा संभव हुआ तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि भी होगी। बताते चलें कि उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में आई अकस्मात बादल फटने जैसी आपदा प्रकृति और आये दिन बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन की एक और गंभीर चेतावनी है। चूंकि पर्वतीय प्रदेशों में ऐसी चेतावनियों की एक लंबी श्रृंखला है, जो हमें चीख चीख कर यह बताती है कि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन साधने की कितनी जरूरत है? खासकर, देश के पहाड़ी राज्यों, यथा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम,

अरुणाचल प्रदेश आदि पर्वतीय प्रदेशों को लेकर ऐसी नीति बननी चाहिए, जिससे पहाड़ और इंसानों के बीच चिरस्थायी संतुलन बना रहे। इसलिए यह सवाल उठता है कि आखिरकार कुदरत की चेतावनी को हमलोग कब समझेंगे? और सिर्फ समझेंगे ही नहीं, बल्कि उनके अनुरूप ही अपना अग्रगामी व्यवहार भी बदलेंगे।

यह ठीक है कि तकनीकी क्रांति और सूचना क्रांति से विकास में अप्रत्याशित गति आई है, लेकिन विकास के भौगोलिक मानदंडों की उपेक्षा की जो सार्वजनिक और व्यक्तिगत कीमत सम्बन्धित लोगों को चुकानी पड़ रही है, वह नीतिगत व प्रशासनिक लापरवाही नहीं तो क्या है? यक्ष प्रश्न बन चुका है। जानकारों का कहना है कि उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में जो बादल फटा, उंससे आये फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। इससे प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं। चूंकि अभी चारधाम यात्रा का सीजन चल रहा है और यह गांव गंगोत्री वाले रास्ते पर ही पड़ता है, जो श्रद्धालुओं के रुकने का एक अहम पड़ाव भी है। ऐसे में जानमाल की बड़े पैमाने पर हानि होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

चूंकि उत्तरकाशी जैसे उत्तराखंड के जनपदों में ब्रेक के बाद प्राकृतिक आपदा आती रहती है। इसलिए यहाँ पर निरंतर/लगातार आफ्त आते रहने से शोधकर्ताओं को और भी अधिक ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा इसलिए कि हाल के बरसों में उत्तराखंड इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के केंद्र में रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में चमोली जनपद में, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास एक ग्लेशियर टूटकर गिर गया था। इसकी वजह से धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आ गई और तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम करने वाले कई श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी।

इसी तरह, साल 2023 की शुरुआत में एक और धार्मिक पर्यटन स्थल जोशीमठ में भूस्खलन ने एक बड़ी आबादी को विस्थापित कर दिया। वहीं, साल 2013 में केदार घाटी में मची भयानक तबाही से लेकर अभी तक, छोटी-बड़ी ऐसी कई प्राकृतिक आपदाएं आ चुकी हैं। इसलिए पुनः सुलगता हुआ सवाल यहां आकर ही ठहर जाती है कि आखिर में पहाड़ से छेड़छाड़ कब रुकेगी? क्योंकि आरोप है कि उत्तराखंड में चल रहे बेशुमार पावर प्रॉजेक्ट्स ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। वहीं, इस दौरान क्षेत्र में बढ़ती आबादी, लाखों पर्यटकों के बोझ, अनियंत्रित निर्माण और घटती हरियाली को मिला दीजिए तो स्थिति विस्फोटक बन जाती है। इसलिए पर्यावरण प्रेमी पहाड़ अनुकूल विकास करने की मांग हमेशा उठाते रहते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि बादल फटना एक प्राकृतिक घटना है, जिस पर इंसानों का कोई जोर नहीं। लेकिन, यह भी एक उद्वेलित करने वाला तथ्य है कि जब पानी के निकलने के रास्तों, नालों-गदेरों के मुहानों पर कंक्रीट के बड़े-बड़े स्ट्रक्चर खड़े हो चुके हैं, तो फिर उन तमाम जगहों पर, जिन रास्तों से पानी को बहना था, आखिर वह कैसे निकलेगा। क्योंकि उन रास्तों पर तो प्रकृति प्रेमी इंसान बस चुका है। स्पष्ट है कि यह जानबूझकर आफ्त बुलाने जैसा है। इसी के चक्कर में भारी धन-जन की हानि झेलनी पड़ती है और आपदा आने के बाद प्रशासन का जो सिर दर्द बढ़ता है, वह अलग बात है।

इसलिए समकालीन स्थिति-परिस्थितियों को बदलने की जरूरत है। इंसान को संभलने की जरूरत है। सच कहूं तो उत्तराखंड को लेकर यह जारी बहस तकरीबन 5 दशक पुरानी है। वह यह कि विकास किस कीमत पर होना चाहिए? साल 1976 में, गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर एमसी मिश्रा की अध्यक्षता में गठित एक कमिटी ने जोशीमठ को बचाने के लिए फौरन कुछ कदम उठाने की सिफारिश की थी- इनमें संवेदनशील जोन में नए निर्माण पर रोक और हरियाली बढ़ाना प्रमुख था। लेकिन 49 साल बाद आज वह रिपोर्ट पूरे पहाड़ के लिए प्रासंगिक हो चुकी है।

इसलिए केंद्रीय व राज्य सत्ता प्रतिष्ठान को चाहिए कि वे दूरदर्शिता भरा कदम उठाएं और पर्वतीय प्रदेशों की रमणीकता के दृष्टिगत उन पर फिदा होने वालों को बसने से रोके। भारतीय सनातन संस्कृति भी पहाड़ों को साधना स्थली बताती है, जबकि मैदानी भूभाग जनजीवन के बसने हेतु श्रेष्ठ हैं। पर्वतीय घाटियों में भी रहा जा सकते है, लेकिन मैदानों सूखा या बाढ़ की तरह वहां भी ऐसा ही कुछ होते रहने की संभावना बनी रहती है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

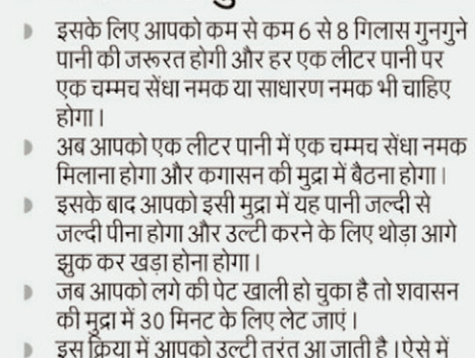

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छींटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

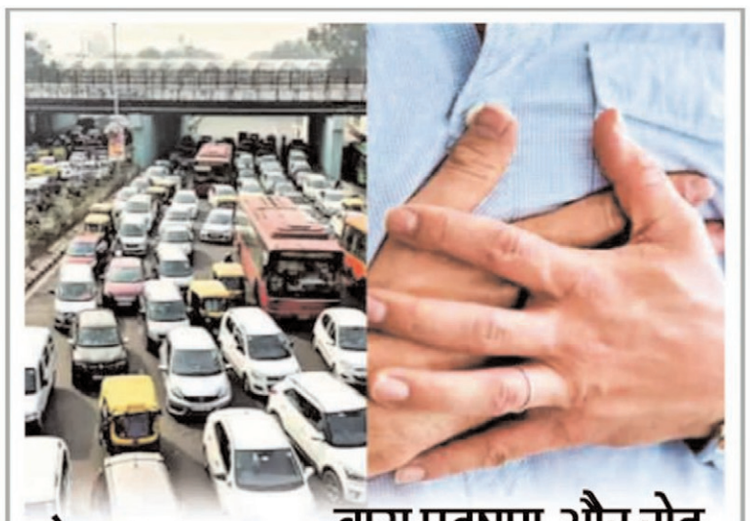

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक – वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ठ के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है। जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

वी ने रैडएक्स के फायदों को फैमिली पोस्टपेड प्लान्स में किया विस्तारित : अब परिवार के सभी सदस्यों को मिलेंगे इंटरनेशनल रोमिंग के फायदे

रायपुर। अपने फ्लैगशिप रैडएक्स पोस्टपेड प्लान की सफलता को देखते हुए भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी (वोडाफोन आइडिया) ने रैडएक्स फैमिली प्लान के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारत का एकमात्र फैमिली पोस्टपेड प्लान है, जो अनलिमिटेड 4ज और 5ज डेटा और इंटरनेशनल रोमिंग के साथ प्रीमियम ट्रैवल, लाईफस्टाइल एवं एंटरटेनमेन्ट के फायदे देता है। पोस्टपेड सेगमेन्ट में उद्योग जगत का लीडर होने के नाते, वी अपने उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करता रहा है। रैडएक्स फैमिली के लॉन्च के साथ वी ने उद्योग जगत के नियमों से हटकर पोस्टपेड के अनुभव को पूरी तरह से बदल डाला है, दूसरे फैमिली प्लान के सैकण्डरी मेंबर्स को अक्सर लिमिटेड डेटा कोटा और सीमित फायदे ही मिल पाते हैं। पोस्टपेड फैमिली प्लान के उपभोक्ताओं के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करते हुए यह प्लान उपभोक्ताओं को बेहतर मूल्य, डेटा की आज़ादी और डिजिटल समावेशन प्रदान करता है। वी रैडएक्स फैमिली प्लान उद्योग जगत का पहला प्लान है जहां सैकण्डरी मेंबर को भी प्राइमरी उपभोक्ता के समान डेटा के फायदे मिलते हैं। इसका अर्थ यह है कि वी रैडएक्स फैमिली प्लान के प्राइमरी एवं सैकण्डरी दोनों मेंबर अनलिमिटेड डेटा और प्रीमियम फायदों का लाभ उठा सकते हैं। रैडएक्स फैमिली प्लान की पेशकश के साथ वी भारत में पोस्टपेड के लिए नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। वी एक ऐसा ब्राण्ड है जिसके पोस्टपेड उपभोक्ताओं की संख्या देश में सबसे अधिक है, ऐसे में यह पोस्टपेट उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को भली-भांति समझता है। रैडएक्स फैमिली प्लान सबसे आकर्षक फैमिली प्लान है, जो दो मेंबर्स के लिए मात्र रु 1601 प्रति माह पर उपलब्ध है। यह अपनी तरह का अनूठा एकमात्र प्लान है, जो डेटा की संपूर्ण आज़ादी, सर्वोच्च एंटरटेनमेन्ट, ट्रैवल एवं लाईफस्टाइल के फायदे देता है, ऐसे में इसे भारत का सबसे लुभावना पोस्टपेड फैमिली प्लान कहा जा सकता है। यह प्लान परिवार के सभी सदस्यों को अनलिमिटेड डेटा, इंटरनेशनल रोमिंग और कई प्रीमियम सर्विसेज़ का एक समान एक्सेस देकर सही मायनों में पोस्टपेड के अनुभव को बेहतरीन बना देता है। आज के कनेक्टेड परिवारों के लिए डिज़ाइन किया गया यह विशेष प्लान पोस्टपेड कैटेगरी के अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा।

हिमालया बेबीकेयर ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक पर शुरू किया हर कदम हर माँ केसाथ कैंपेन

रायपुर। भारत के नंबर 1 डॉक्टर-प्रिसक्राइब्ड बेबी केयर ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक के अवसर पर एक संवेदनशील डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) फिल्म लॉन्च की है।

हर कदम हर माँ के साथ' शीर्षक वाला यह अभियान उन चुनौतियों को उजागर करता है, जिनका सामना माताओं को सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराने के दौरान गोपनीयता और सहयोगी माहौल के अभाव में करना पड़ता है।

इस विचार से प्रेरित होकर कि एक माँ का आराम और आत्मविश्वास केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं होना चाहिए, हिमालया बेबीकेयर पूरे भारत में लाखों माताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फिल्म में एक माँ को अपने घर के आरामदायक माहौल में शांति से शिशु को दूध पिलाते और लोरी गुनगुनाते हुए दिखाया गया है। जैसे-जैसे दृश्य धीरे-धीरे मेट्रो स्टेशनों, हवाई अड्डों, मॉल और बस स्टॉप जैसे सार्वजनिक स्थानों की ओर बढ़ता है, उसका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है, उसकी आवाज लड़खड़ा जाती है, और बैठने में असहजता झलकती है। यह स्थिति उस आम समस्या को दर्शाती है, जिसका सामना कई माताएँ करती हैं।

आंकड़ों के अनुसार हर तीन में से एक मां को को अपने बच्चों को नए स्थानों पर दूध पिलाते समय असुविधा होती है।

इसके परिणामस्वरूप अक्सर सुरक्षित और प्राइवेट फीडिंग स्पेस की कमी के चलते शिशुओं को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है।

फिल्म में आगे दिखाया गया है कि माँ जैसे ही शांत और सुकूनभरे 'हिमालया हैप्पी फीडिंग रूम' में प्रवेश करती है, उसका तनाव कम हो जाता है, स्वर में पुन: कोमलता लौट आती है और उसकी लोरी में फिर से शांति और आत्मविश्वास भर जाता है।

पिछले 13 वर्षों में हिमालया बेबीकेयर ने भारतभर में 500 से अधिक सुविचारित ढंग से डिज़ाइन किए गए हिमालया ब्रेस्ट फीडिंग रूम्स स्थापित किए हैं, जिसमें हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, अस्पताल और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल है, जहाँ माताओं को शिशु को दूध पिलाने के लिए निजी, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलता है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने प्राचार्यों की बैठक लेकर शिक्षा की गुणवत्ता तथा बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधार के लिए निर्देश दिए

40 से 90 प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुधार करने वाले स्कूलों को जिला प्रशासन की ओर से पुरस्कार

छात्रों की उपस्थिति और परीक्षा परिणाम में सुधार के निर्देश दिए

परीक्षा परिणाम सुधार नहीं होने पर कलेक्टर ने प्राचार्यों को दी कार्रवाई की चेतावनी

कलेक्टर ने पालकों से अपील किया कि बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए नियमित रूप से स्कूल भेजें

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के स्कूलों के प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी की बैठक लेकर दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम और इस शैक्षणिक सत्र से बच्चों की उपस्थिति की विस्तृत समीक्षा किया। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिन स्कूलों के बोर्ड परीक्षा के अपेक्षित परिणाम नहीं आए हैं (जैसे 50ज से कम)। ऐसे स्कूलों के बोर्ड परीक्षा परिणाम में आवश्यक सुधार लाने के लिए कलेक्टर ने संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों को कड़े शब्दों से सख्त निर्देश दिए।

जिन स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम दर्ज है, उन पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर कर उस दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। संबंधित स्कूल के बोर्ड परीक्षा परिणाम में आवश्यक सुधार नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई करने कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए।

बच्चों को स्कूल भेजने कलेक्टर की अपील- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने पालकों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए नियमित रूप से स्कूल भेजें। कलेक्टर ने कहा कि युक्तिकरण के बाद स्कूल में शिक्षकों की कमी की समस्या थी, उसे दूर कर लिया गया है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने स्कूलवार बोर्ड परीक्षा परिणाम की समीक्षा के दौरान अगले शैक्षणिक सत्र से इसमें सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने प्राचार्यों से कहा कि जो भी बच्चे किसी कारणवश स्कूल नहीं आ रहे हैं या लंबे समय से अनुपस्थित हैं तो उसके घर जाकर उनसे संपर्क कर स्कूल आने के लिए प्रेरित करें। साथ ही उनके पालकों को भी इस बारे में जागरूक करें।

कलेक्टर ने हर महीने परीक्षा लेने दिए निर्देश- 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में पिछले 5 वर्षों के मॉडल प्रश्न पत्र तथा सिलेबस के अनुसार हर महीने परीक्षा लेवें ताकि परीक्षा परिणाम में अपेक्षित सुधार आए।

सतत रूप से स्कूलों का दौरा करें- कलेक्टर ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी को सतत रूप से स्कूलों का दौरा करने के निर्देश दिए। 50ज से नीचे परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के लिए जिला स्तर के अधिकारी को नोडल बनाया गया है। वे उन स्कूलों का विशेष निगरानी करे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोटपा एक्ट तथा नशा मुक्ति अभियान के तहत स्कूल बाउंड्री वाल से 100 मीटर के दायरे में नो टोबेको जोन (तंबाकू मुक्त परिसर) घोषित किया गया है। अगर कोई इस एरिया में तंबाकू उत्पाद बिक्री करते पाया जाता है तो संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सूचित करें।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ बच्चों का नैतिक मूल्य भी सिखाया जाए- कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए कि बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों जैसे ट्रैफिक नियम, सामान्य ज्ञान, प्रकृति की रक्षा, लैंगिक उत्पीड़न, बाल विवाह रोकथाम, पर्यावरण का महत्व, साक्षरता, साफ सफाई, अपने माता-पिता, बुजुर्गों का आदर सम्मान आदि नैतिक मूल्यों को भी सिखाया जाए ताकि भविष्य में एक अच्छा या नागरिक बने।

बच्चों को जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र बनवाए- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिन बच्चों का आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र नहीं बना है, उनका फार्म भरवाने के निर्देश दिए। एसडीएम व तहसीलदार से संपर्क कर उनका आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनवाए ताकि बच्चों को जाति, आय व निवास प्रमाण पत्र के लिए अनावश्यक न भटकना पड़े। इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया, सभी बीईओ, प्राचार्य आदि उपस्थित थे।

40 से 90 प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुधार करने वाले स्कूलों को जिला प्रशासन की ओर से पुरस्कार- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के ऐसे हाईस्कूल जिनका 40ज से कम परीक्षा परिणाम आया है, यदि वह स्कूल इस शैक्षणिक वर्ष में 90ज परीक्षा परिणाम लाते हैं तो उनको जिला प्रशासन की ओर से स्कूल में शैक्षणिक विकास के लिए ? 1 लाख और कक्षा 12वीं में 40ज से कम प्रतिशत लाने वाले ऐसे स्कूल जो इस शैक्षणिक वर्ष में 90ज परीक्षा परिणाम लायेंगे, उनको जिला प्रशासन की ओर से स्कूल में शैक्षणिक विकास के लिए ?2 लाख प्रदान किए जाएंगे।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

88 लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और सुगम्य केन का वितरण, सशक्त मुंगेली की ओर मजबूत कदम

विधायक, कलेक्टर और एसपी ने दिव्यांगों को आगे बढ़ने किया प्रोत्साहित

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अनुकरणीय और ऐतिहासिक पहल की गई। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा अपनी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत जिले के 88 दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और सुगम्य केन वितरित किए गए। मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रजनी मानिक सोनवानी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत भारत माता और मां सरस्वती की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मोहले ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल सहायता नहीं, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया गया एक मजबूत कदम है। दिव्यांगजनों के लिए सरकार रोजगार, प्रशिक्षण, आवास, आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड जैसी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने दिव्यांगजनों को कौशल उन्नयन कर आत्मनिर्भर बनने प्रोत्साहित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष पांडेय ने कहा कि नि:शुल्क सायकल वितरण दिव्यांगों की सहायता के लिए सराहनीय कदम है। इससे दिव्यांगों को दैनिक दिनचर्या के साथ ही आने-जाने में काफी मदद मिलेगी।

कलेक्टर ने कहा कि दिव्यांगजनों में अपार क्षमता है, आपको ईश्वर ने मानसिक शक्ति एवं दृढ़ता प्रदान की है। आप सभी दिव्यांगजनों को जीवन में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हैं। उन्होंने एक स्थानीय दिव्यांग छात्र का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उसने 76 प्रतिशत अंक लाकर 12वीं पास की और अब जोधपुर में पढ़ाई कर रहा है, जिसका सपना है कि वह आईएएस बनकर मुंगेली का कलेक्टर बने। कलेक्टर ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को लाभ मिले। उन्होंने दिव्यांगजनों को अपनी क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए आगे बढ़ने प्रेरित किया।

पुलिस कप्तान भोजराम पटेल ने कहा कि दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। सुविधा का उपयोग कर आगे बढ़ें और स्वयं को सशक्त बनाएं। यह सहयोग आपकी सशक्तिकरण की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जुनून और दृढ़ता से सफलता आसान होगी। स्वयं को कभी कमजोर ना समझें, सशक्त और मजबूत रहते हुए आगे बढ़ें। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जिले में एक साथ 88 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान करना एक ऐतिहासिक कदम है। इससे दिव्यांगजनों के जीवन में निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव आएगा। इस दौरान जिले के अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में दिव्यांगजन व उनके परिजन उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक नदीम काजी ने बताया कि जिले के 230 दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और सुगम्य केन प्रदान करने का लक्ष्य है। 07 और 08 अगस्त को पथरिया और लोरमी विकासखण्ड में भी कार्यक्रम का आयोजन कर ट्रायसाइकिल प्रदान जाएगा।

मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम गोरखपुर की दिव्यांग छात्रा पूजा वर्मा ने बताया कि वे मुंगेली के एक निजी संस्थान में पीएससी कोचिंग कर रही है। दिव्यांग होने के कारण आने-जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज ट्रायसाइकिल मिल गया है, इससे आने-जाने में काफी मदद मिलेगी।

खेतों में हरियाली, किसानों मे खुशहाली''

समय पर खाद मिलने से बदली खेती की तस्वीरः कुंवागांव किसान अमित साहू

मुंगेली(समय दर्शन)मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराया गया, जिससे खेतों में हरियाली आ गई है। सहकारी समिति के माध्यम से किसान आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त कर रहे हैं। मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम कुवांगांव के प्रगतिशील किसान अमित कुमार साहू ने बताया कि वे लगभग 03 एकड़ कृषि भूमि में खेती करते हैं, इस वर्ष उन्होंने सेवा सहकारी समिति, गीधा के माध्यम से 06 बोरी यूरिया, 06 बोरी सुपर फास्फेट, 03 बोरी एनपीके और 02 बोरी पोटाश की आपूर्ति समय पर प्राप्त की है, जिससे उन्हें खरीफ सीजन की खेती की तैयारी में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आई।

साहू ने बताया कि सरकार की योजनाओं का हमें प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। पहले खाद-बीज के लिए किसानों को समय पर उपलब्धता को लेकर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन की तत्परता से किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में कृषि इनपुट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे न केवल खेती की लागत में कमी आ रही है, बल्कि उत्पादन और लाभ में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि समय पर खाद मिलने से फसलों की उत्पादन के साथ आमदनी भी बढ़ रही है। अब खेती फिर से एक लाभकारी व्यवसाय बन रही है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

17 वर्षों से सशक्त: कलर्स लगातार बोल्ड कहानियां, बोल्ड आवाजें पेश कर रहा है, जिनकी जड़ें गहरी हैं - आलोक जैन, जियोस्टार

17 वर्षों से सशक्त: कलर्स लगातार बोल्ड कहानियां, बोल्ड आवाजें पेश कर रहा है, जिनकी जड़ें गहरी हैं। हमारी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि हम अपने दर्शकों को जितना समझ सकें, उतना समझें। हम लगातार कंज़्यूमर रिसर्च करते हैं। हम टियर 1 और टियर 2 टाउन में जाते हैं, ये जानने के लिए कि लोगों की ज़िंदगी में क्या चल रहा है। वरना बिना रिसर्च के हमारी सोच एक सीमित दायरे में सिमट जाती है। भारत एक बहुत विशाल और विविधताओं से भरा देश है। हमारे देश में पूरा यूरोप समाया हुआ है। हमारी कोशिश यही होती है कि हम यह समझें कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं, और उसी के आधार पर कहानियां सुनाएं। पति पत्नी और पंगा×स39; की प्रेरणा भी वहीं से आई। जब हमने देखा कि हर कपल एक-दूसरे से अलग होता है। जब शादी होती है तो कभी पति एडजस्ट करता है, कभी पत्नी - और ये उनकी अनोखी बॉन्डिंग होती है, जिसे सेलिब्रेट किया जाना चाहिए, जज नहीं। इसलिए हम यह शो लेकर आ रहे हैं, ताकि उन 'पंगों' को सेलिब्रेट किया जा सके। ये इनसाइट हमें आम लोगों को करीब से देखने के बाद मिली। हमारी कोशिश हमेशा यही होती है कि हम कंज़्यूमर को समझें नई कहानियां लेकर आएं और नए कहानीकारों को मौका दें। हमने देखा है कि ज़मीन से जुड़ा कहानीकार हमेशा कमाल करता है इसलिए हम उसे ही प्रोत्साहित करना चाहते हैं। हर बार कुछ नया करना ज़रूरी होता है। हम अगर आज शोले या दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी फिल्में फिर से दिखाएं, तो वही व्यूअरशिप नहीं ला सकते। इसलिए हम हमेशा यही कोशिश करते हैं कि कुछ नया करें, कुछ अलग करें। कलर्स अपने दर्शकों के लिए साहसिक, मनोरंजक, नवीन और प्रभावशाली कन्टेन्ट ला रहा है। कहा जाता है कि टीवी का दौर खत्म हो रहा है और ओटीटी ही भविष्य है। आपका क्या कहना है? मेरे अनुसार, ओटीटी और टीवी — दोनों का स्केल बहुत बड़ा हो चुका है। आज भारत में करीब 45 करोड़ लोग ओटीटी देखते हैं और लगभग 85-90 करोड़ लोग टीवी का उपभोग करते हैं।

व्यंकटेश झूलनोंत्सव का आज अंतिम दिन...

मन की भ्रम, बुद्धि और ज्ञान का लोक पाप का ही यह परिणाम हैं, इसलिए हर व्यक्ति को कर्म करते समय सावधानी बरतनी चाहिए ....स्वामी राम कृष्णाचार्य जी महाराज

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। हर व्यक्ति को परम भागवत मानकर साधु-संतों और प्रकांड विद्वानों की सेवा करनी चाहिए, ये ही भागवत का स्वरूप हैं । परम भागवत वह व्यक्ति होता हैं जो भगवान की भक्ति में सदैव लीन रहता हैं और उसके आचरण में हर व्यक्ति को परम भागवत मानकर सेवा करता हैं , उक्त उद्गार अग्रसेन भवन नैला-जांजगीर में श्रीजी 1008 कंस्ट्रक्शन कंपनी के सौजन्य से आयोजित व्यंकटेश झूलनोंत्सव -2025 के दौरान कालक्षेप (प्रवचन) के दौरान कथा व्यास परम-पूज्य श्रीश्री रामकृष्णाचार्य स्वामी जी महाराज ने कही ।

झूलनोंत्सव पर प्रतिदिन झांकियां सजाई जा रही हैं .. ....

दिनांक 03 अगस्त से 07 अगस्त 2025 तक झूलनोत्सव का आयोजन अग्रसेन भवन स्टेशन रोड जांजगीर नैला में किया जा रहा हैं । इटारसी मध्यप्रदेश से पहुंचे रामकृष्णाचार्य जी महाराज का सबसे पहले व्यासपीठ पर पहुंचने पर कैलाश अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल,कमल बसईवाल, आनंद अग्रवाल, अंकित बसईवाल, आदर्श अग्रवाल देवेश बसईवाल, शशिभूषण सोनी, पूर्व पार्षद श्रीमति शशिप्रभा सोनी सहित अन्यान्य ने माल्यार्पण से स्वागत किया । स्वामी जी ने कहा कि भगवान के अपचार से बचने के लिए हमें भगवान की प्रतिदिन पूजा और भक्ति करनी चाहिए और उनकी कृपा तथा आशिर्वाद के प्रति कृतज्ञता दिखानी चाहिए । उन्होंने कहा कि भगवान के अपचार या अपराध से बचने के लिए श्रीमद्भागवत गीता और अन्य धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से वर्णित हैं । भगवान के अपचार से तात्पर्य भगवान की भक्ति और पूजा में की जाने वाली गलतियां या अपराध से हैं । उन्होंने कहा कि संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य नहीं हैं जिसमें कोई न कोई दोष न हो या जिससे कभी गलती न होती हो अतएव मन का भ्रम, बुद्धि और ज्ञान का पाप का ही यह परिणाम हैं, इसलिए हर व्यक्ति को सावधानी से बचकर रहना चाहिए । इस अवसर पर स्वामी जी श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित 10 निरुपण अपचार के विषय में बारी-बारी से समझाया । उन्होंने शरीर निरुपण, आश्रम निरुपण, अवैध निरुपण, आलस्य निरुपण,वाद निरुपण,बंधु निरुपण, प्रकाश निरुपण के विषय में प्रेरणादायक उद्धरण पेश किया । दिनांक 07 अगस्त, 2025 को झूलनोत्सव का अंतिम दिन हैं । इस अवसर पर दोपहर 12: 30 बजें से अग्रसेन भवन नैला-जांजगीर के उत्सव स्थल पर महाप्रसाद रखा गया हैं । बसईवाल परिवार ने इस अवसर पर श्रद्धालु भक्तों को स्त्रोत पाठ, लाल सरकार जी की आरती, कालपेक्ष, छंदावली पाठ,कथा महात्म्य श्रवण और महाप्रसाद का आयोजन ।

खबर-खास

गुरुकुल में जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अंचल के दो सौ खिलाड़ी पहुंचे

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल न केवल अकादमिक शिक्षण कार्य पर ध्यान देता है अपितु शिक्षणेत्तर गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देता है, जिसमें क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ भी महत्वपूर्ण है। इसी कड़ी में विद्यालय द्वारा जिला स्तरीय अंडर 19 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कवर्धा जिले के साथ-साथ बेमेतरा, छुईखदान व अन्य जिलों के 13 शालाओं के लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के सम्मानीय अतिथि के रूप में नितेश छाबड़ा, प्रियेश चौबे संस्था के पदाधिकारी व शाला के प्राचार्य मंचासीन थे। अतिथियों के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती के तैल चित्र पर पुष्प व मालार्पित कर पूजन-वंदन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आज का प्रथम मैच स्वामी आत्मानंद बोड़ला एवं गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा टीम के बीच हुआ जिसका स्कोर 00-02 हुआ जिसमें गुरूकुल ने पहला मैच जीता। संस्था के अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण व शाला के प्राचार्य ने इस आयोजन पर प्रतिभागियों को हार्दिक बधाइयाँ व शुभकामनाएँ दी।

रामलला दर्शन योजना के तहत दुर्ग से 149 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना

दुर्ग/समय दर्शन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महत्वपूर्ण योजना 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत आज दुर्ग जिले से रामभक्तों का एक बड़ा जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दुर्ग रेलवे स्टेशन से 149 श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से रवाना किया गया, जिनमें 120 श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र से तथा 29 शहरी क्षेत्र से शामिल हैं। इस अवसर पर अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, कमिश्नर श्री सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री बजरंग दुबे ने श्रद्धालुओं से भरी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रद्धालुओं को स्टेशन पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान भोजन, आवास एवं अन्य सुविधाओं की संपूर्ण व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। तीर्थयात्री 9 अगस्त की रात को अयोध्या दर्शन कर लौटेंगे। रवाना होते समय श्रद्धालुओं को जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' की प्रतियां भी भेंट की गईं। श्रद्धालुओं ने इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर वर्ग को इस योजना का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री ए.पी.गौतम, श्री सुरेन्द्र कौशिक एवं रेलवे विभाग के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षकों ने क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में दिखाया उत्साह

कवर्धा (समय दर्शन)। दिल्ली पब्लिक स्कूल कवर्धा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भुवनेश्वर के तत्वावधान में आर्ट इंटीग्रेशन पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम (केपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का सफल आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रात: 9 से सायं 4 बजे तक चला, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को यह समझाना था कि किस प्रकार कला (आर्ट) को प्रत्येक विषय में एकीकृत कर शिक्षा को अधिक प्रभावशाली, आनंददायक, व्यवहारिक और छात्र-केंद्रित बनाया जा सकता है। जब पढ़ाई को वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ा जाता है और उसमें रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति के माध्यम जोड़े जाते हैं, तब विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ती है और सीखने के परिणाम (लर्निंग आउटकम्स) भी उल्लेखनीय रूप से बेहतर होते हैं।

इस अवसर पर सीबीएसई द्वारा नामित दो अनुभवी रिसोर्स पर्सन आलोक कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, अरिहंत एकेडमी, बालोद (छत्तीसगढ़) एवं शुभांक सिंह ठाकुर, अकादमिक डीन, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया। दोनों विशेषज्ञों ने अपने अनुभव के आधार पर शिक्षकों को विषयवस्तु में कला के समावेश की विविध विधियाँ समझाईं। उन्होंने बताया कि गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में भी कला का सहज और प्रभावी समावेश किया जा सकता है। उनके द्वारा गतिविधियों, समूह कार्य, चित्रात्मक प्रस्तुति, नाट्य रूपांतरण और रचनात्मक लेखन जैसी विधियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित किया गया। शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण तकनीकों, वैकल्पिक मूल्यांकन, और विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता के विकास पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सभी सत्रों में शिक्षकों की सहभागिता अत्यंत सक्रिय और सराहनीय रही। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और व्यावहारिक रूप से उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती ग्रेशिया एन्न, फीग्रेड, ने सीबीएसई के प्रति आभार प्रकट करते हुए दोनों रिसोर्स पर्सन और उपस्थित शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- कला के माध्यम से हम शिक्षा को केवल मनोरंजक ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और उद्देश्यपूर्ण भी बना सकते हैं। इससे विद्यार्थियों में सोचने की स्वतंत्रता, रचनात्मकता, और सामाजिक समझ का विकास होता है।

विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचारपूर्ण एवं प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की इच्छा प्रकट की और शिक्षकों को निरंतर सीखने हेतु प्रेरित किया।

श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत जिले से 62 तीर्थयात्री अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना

अधिकारियों ने किया हरी झंडी दिखाकर रवाना, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

बेमेतरा (समय दर्शन)/- छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन योजना (अयोध्या धाम) के अंतर्गत जिले से चयनित श्रद्धालुओं का दल आज कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा 62 तीर्थयात्रियों (जिसमें 02 अनुरक्षक शामिल हैं) का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य के अनुसार जिले के जनपद पंचायत बेमेतरा, साजा, बेरला, नवागढ़ से 48 तीर्थयात्री तथा नगर पालिका परिषद् बेमेतरा एवं नगर पंचायत थानखम्हरिया, नवागढ़, भिमौरी, कुसमी एवं दाढ़ी से 12 तीर्थयात्री चयनित किए गए।

प्रात: 07 बजे सभी तीर्थयात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण कलेक्टोरेट भवन के दृष्टि सभाकक्ष में किया गया। इसके बाद 07:30 बजे जिला कलेक्टोरेट परिसर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता मंडावी, अपर कलेक्टर श्री अनिल वाजपेयी तथा उप संचालक समाज कल्याण विभाग के द्वारा हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को दो बसों के माध्यम से राजनांदगांव रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, जनपद पंचायत बेमेतरा अध्यक्ष श्रीमती हेमा दिवाकर, अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं समाज कल्याण उपसंचालक द्वारा सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

श्रद्धालुओं में उत्साह और श्रद्धा का विशेष भाव देखा गया। सभी यात्रीगण निर्धारित कार्यक्रमानुसार राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से विशेष रेलगाड़ी द्वारा अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन हेतु रवाना हो चुके हैं। यात्रा पूर्ण होने के पश्चात यह दल 09 अगस्त 2025 की देर रात तक बेमेतरा लौटेगा।

यह आयोजन कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में सुचारु रूप से संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासन की ओर से सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा की सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की गईं थीं। श्री रामलला के दर्शन हेतु रवाना हुए श्रद्धालुओं ने प्रदेश शासन और जिला प्रशासन का आभार प्रकट किया।

15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण का समापन, स्तनपान सप्ताह पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा/- महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर चलाए गए 15 दिवसीय नि:शुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन ग्राम भिंभौरी के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में किया गया। यह प्रशिक्षण 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा आयोजित किया गया था, जो कि कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चंद्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में संचालित हुआ।

महापौर ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली, इंजीनियरों को दो दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

सड़कों और नालियों के निर्माण को मिलेगा प्राथमिकता, दुर्ग को आदर्श शहर बनाने पर जोर

डेयरी संचालकों पर सख्त कार्रवाई होगी,नगर निगम समयसीमा में प्रस्ताव और कार्य पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

दुर्ग/समय दर्शन। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आज नगर निगम के डाटा सेंटर में वार्डवार इंजीनियरों के साथ शहर में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य रूप से सड़कों के निर्माण, नालियों की मरम्मत एवं सफाई, डेयरी संचालकों पर कार्रवाई और पार्क क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था पर चर्चा हुई।बैठक मे कार्यपालन अभियंता आरके जैन,हरिशंकर साहू,मोहित मरकाम,श्रीमती अर्पणा मिश्रा, विकास दमाहे,श्रीमती प्रेरणा दुबे, श्रीमती ठाकुर आदि मौजूद रहे.

बैठक में महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के हर वार्ड में जहां भी सड़कों और नालियों की तत्काल आवश्यकता है, वहां की स्थिति का सर्वेक्षण कर सूची तैयार करें। इसके आधार पर प्रस्ताव बनाकर पूरी जानकारी के साथ दो दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण न केवल नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाता है, बल्कि यह शहर के विकास का भी स्पष्ट संकेत है।

महापौर ने कहा कि दुर्ग को आदर्श शहर बनाने के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। प्रदेश सरकार के निर्देशन और नगर विकास विभाग के सहयोग से सड़कों के निर्माण के साथ-साथ नाले-नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, पार्कों की सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने इंजीनियरों को दादा-दादी और नाना-नानी पार्क की नालियों का निरीक्षण कर यह पता लगाने के निर्देश दिए कि नालियां बार-बार ब्लॉक क्यों हो रही हैं, और इसका स्थायी समाधान निकाला जाए।

बैठक में महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन कार्यों की सूची सप्ताहभर पहले अधिकारियों से मांगी गई थी, उनकी पूरी जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। प्रस्तावों में कार्य की प्राथमिकता, अनुमानित लागत और अपेक्षित समयसीमा का उल्लेख होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि समय सीमा का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी।

समीक्षा बैठक के दौरान डेयरी संचालकों के कारण गंदगी और अव्यवस्था पर भी चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि नोटिस देने के बाद भी यदि नियमों का पालन नहीं किया जाता, तो अधिकारी केवल औपचारिकता न निभाएं बल्कि सख्त कार्रवाई करें, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो।

शैक्षणिक युक्तियुक्तकरण के तहत खुशबू जैसे नन्हे बच्चों को अब खेल, कविता और कहानियों के माध्यम से सीखने का मिल रहा अवसर

दुर्ग/ धमधा विकासखंड के ग्राम तुमाखुर्द में एक सरकारी प्राथमिक शाला है। जहां पहली से पांचवी तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं। जहां 19 बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन शिक्षक के अभाव में बच्चों को शिक्षा नही मिल पाती थी। पहली से पांचवी तक के बच्चों को केवल एक ही शिक्षक पढ़ाते थे। रोज सभी कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाई नही हो पाती थी। रोज पढ़ाई नही होने के कारण बच्चे स्कूल नही जाते थे। शिक्षा व्यवस्था में सुधार होने के बाद शिक्षा में गुणवत्ता आई है। बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की गई है। पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध होने से बच्चों का भी मन लगने लगा है। यह शिक्षा नीति में बदलाव आने के कारण संभव हो पाया है। जहां पहले बच्चों की दर्ज संख्या कम होती थी वहां अब शत-प्रतिशत् उपस्थिति रहती है। बच्चों की किलकारिया वहां सुनाई नहीं देती थीं, क्योंकि एक ही शिक्षक उपस्थित रहते थे। अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही थी, खासकर खुशबू के माता-पिता की, जिनकी बेटी पढ़ना चाहती थी लेकिन हालात उनका साथ नहीं दे रहे थे। ऐसे में वे असहाय थे और खुद को किस्मत के भरोसे छोड़ चुके थे। शिक्षा विभाग द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूल में आखिरकार एक योग्य शिक्षक की नियुक्ति हुई।

नाम परिवर्तन

मैं निर्मला रात्रे (Nirmala Ratre) उम्र 34 वर्ष पति- राजेश अनंत निवासी एच.नं.-107, न्यू पुलिस लाईन दुर्ग, वार्ड 48, दुर्ग, तहसील-दुर्ग, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001, मेरे आधार कार्ड , पैन कार्ड तथा समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम निर्मला रात्रे (Nirmala Ratre) दर्ज है।
मेरे मतदाता पहचान पत्र में मेरा नाम निर्मला अनंत (Nirmla Anant) दर्ज है। विवाह पश्चात मेरे द्वारा अपना पुराना नाम निर्मला रात्रे (Nirmala Ratre) में से अपना उपनाम बदलकर अपने पति का उपनाम रख लिया है और वर्तमान में मुझे निर्मला अनंत (Nirmla Anant) के नाम से जाना एवं पहचाना जाता है । मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज मेरा नाम निर्मला रात्रे (Nirmala Ratre) तथा मेरे मतदाता पहचान पत्र में दर्ज मेरा नाम निर्मला अनंत (Nirmla Anant) यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरे नाम है।
मेरे द्वारा अपने आधार कार्ड तथा अन्य दस्तावेजों में अपना नाम निर्मला रात्रे (Nirmala Ratre) से बदलकर अपना नाम निर्मला अनंत (Nirmla Anant) करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

// न्यायालय नायब तहसीलदार बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.) //

रा.प्र.क्र.-202507104400001
अ-19(2) / वर्ष 2024-25 ग्राम नवागाँव

।। उद्घोषणा ।।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक सरपंच भीखम कुमार साहू पिता टेमसिंग साहू नवासी ग्राम नवागांव द्वारा ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा प्रस्ताव कमाक 01 दिनांक 23.04.2025 में सर्वसम्मति से पारित कर ग्राम नवागांव प.ह.नं.-06 रा.नि.मं. बोरी तहसील बोरी जिला दुर्ग छ.ग. स्थित शासकीय घास मद की भूमि खसरा नंबर 705 रकबा 2.08 हे. को खेल मैदान घोषित करने की मांग कार्यालय कलेक्टर दुर्ग का जनदर्शन टोकन नंबर 2100225002400 सुरक्षा नंबर 763 दिनांक 23.06.2025 को पेश किया गया हैं। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अत: खेल मैदान घोषित किये जाने पर किसी भी व्यक्ति को आपत्ति/दावा हो तो वे नियत समय में स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण / अभिभाषक के साथ सुनवाई दिनांक 21.07.2025 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 01.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार बोरी
तह. बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द

रा.प्र.क्र. 202506120500056, ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम सरायपाली तहसील सरायपाली

राकेश बंछोर पिता सुदर्शन, निवासी वार्ड नंबर सरायपाली तहसील सरायपाली
जिला महासमुंद (छ.ग.).....आवेदक
बनाम
1 विष्णु अग्रवाल पिता सत्यनारायण,निवासी वार्ड नंबर 12 सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द (छ. ग.)
2- दिलीप अग्रवाल पिता गोवर्धन अग्रवाल,निवासी वार्ड नंबर 3 सरायपाली तहसील सरायपाली, जिला महासमुन्द (छ. ग.).....अनावेदकगण

आदेश (पारित दिनांक 26.6.25)

प्रकरण का स्वरूप इस प्रकार है कि आवेदक राकेश बंछोर पिता सुदर्शन निवासी ग्राम वार्ड नंबर 1 आंबेडकर नगर 100 बिस्तर अस्पताल सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा किसान किताब पट्टा दिलाये जाने के संबंध में निम्नानुसार आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
1-आवेदक के नाम नगरपालिका परिषद सरायपाली, प.ह.नं. 14 रा. नि. म.एवं तहसील सरायपाली जिला महासमुंद छत्तीसगढ़ ने दर्ज भूमि खसरा नंबर 35/10 रकबा 0.007 हे. अर्थात 1000 वर्गगुट भुमि के बावत भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका भाग एक एवं दो किसान किताब जारी की गई है। 2- अनावेदकगण के द्वारा सौदा तय करने के बहाने आवेदक के किसान किताब पट्टा की अपने पास अप्राधिकृत रूप से रख लिये है तथा आवेदक की उपरोक्त भूमि को अन्य व्यक्तियों के पास विक्रय करने का सौदा कर रहे है तथा अनावेदक का काम भूमि का दलाली करना है। 3- आवेदक के द्वारा अनावेदक को अपनी भूमि का पट्टा मांग करने पर भी नहीं दे रहे है जिस कारण ऋण पुस्तिका क्रमांक पी.0145023 को अनावेदक से दिलाने के संबंध में थाना सरायपाली पुलिस को दिनांक 20/03/2025 को लिखित आवेदन देकर पावती जी गई है उसके बाद भी आज तक पट्टा अप्राप्त है। 4-अनावेदकगण से आवेदक की किसान किताब पट्टा को मंगाकर आवेदक को दिलाया जावे अन्यथा विकल्प मै किसान किताब पट्टा की द्वितीय प्रति बनाने के लिए न्यायालय में इस आवेदन को पेश करने की आवश्यकता हुई है आवेदक का आवेदन स्वीकार करते हुए आवेदक को उसका पटटा अनावेदकगण से मंगाया जाकर आवेदक को दिलाया जाये अन्यथा विकल्प में आवेदक के नाम पर पटटा की द्वितीय प्रति बनाने का निवेदन किया गया है।

प्रकरण दर्ज कर अनावेदकगण के उपस्थिति हेतु नोटिस जारी किया गया। अनावेदकगण द्वारा निम्नानुसार जवाब प्रस्तुत किया गया है कि 1- आवेदन पत्र में उल्लेखित कॉडिका 01 का कथन वास्तविकता के विपरीत होकर गलत होने से स्वीकार नहीं है। 2- आवेदन पत्र में उल्लेखित कॉडिका 02 का कथन वास्तविकता के विपरीत होकर गलत होने से स्वीकार नही है। सत्य यह है कि आवेदक राकेश बंछोर एव उसकी बहन पूनम सागर के द्वारा अपने स्वामित्व व आधिपत्य एवं निस्तार परिषर में निर्मित मकान मय मलमा को अनावेदक के पास विक्रय करने का पक्का सौदा तय कर बतौर बयाना के रूप में विक्रय रकम प्राप्त करते हुए उसकी लिखा पढ़ी कर मुल किसान किताब अनावेदकगणों को प्रदान किया गया था। उसके उपरान्त अनावेदक पक्ष को नुकसान पहुँचाने एवं प्राप्त विक्रय रकम को हड़प करने के नियत से षडयन्त्र पुर्वक मिथ्या कथन कर न्यायालय तहसीलदार सरायपाली के समक्ष किसान किताब की द्वितीय प्रतिलिपि प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश की गई थी। जिसके आधार पर तहसीलदार सरायपाली के द्वारा जांच प्रतिवेदन पचनामा सहित प्राप्त कर आवेदक/शिकायतकर्ता राकेश बंछोर एवं उसकी बहन पूनम सागर की ओर से प्रस्तुत आवेदन पत्र गलत पाये जाने से नामंजूर कर दी गई। जिसकी प्रमाणित प्रतिलिपि छायाप्रति पेश है। 3- आवेदन/शिकायत पत्र में उल्लेखित कंडिका 03 का कथन गलत होने से स्वीकार नहीं है। शिकायतकर्ता / आवेदक के द्वारा अनावेदक पक्ष से आवेदित भूसम्पत्ति को विकय की गई विकय प्रतिफ्ल वापस किये बिना भयादोहन करने हेतु झूठी शिकायत पेश की गई है। 4- शिकायत पत्र / आवेदन पत्र दिनांक 01/04/2025 का कंडिका विधि अनुकुल नहीं होने से स्वीकार नहीं है क्योंकि आवेदक शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से अनावेदकगणों से प्राप्त विक्रय प्रतिफ्ल को वापस करने से वंचित करने के भेद से झुठा आवेदन पत्र पेश किया गया है। जवाब स्वीकार कर शिकायकर्ता का शिकायत आवेदन निरस्त किये जाने का निवेदन किया गया है।

उभय पक्ष का मौखिक तर्क सुना गया। उभयपक्ष के अधिवक्तागणों का तर्क एवं प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों के परिशीलन उपरांत मै इस निष्कर्ष पर पहुंचती हू कि:-
आवेदक राकेश बंछोर पिता स्व. सुदर्शन बंछोर निवासी वार्ड कमांक 01 अम्बेडकर नगर सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम सरायपाली में स्थित भूमि खसरा नंबर 35/10 रकबा 0.07 हे. का किसान किताब जारी की गई थी। जिसे अनावेदकगण द्वारा अप्राधिकृत रूप से रख लिये जाने से जारी किसान किताब को प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अनावेदकगण द्वारा अपने जवाब में भूमि विक्रय करने का पक्का सौदा तय कर बतौर बैनामा के रूप में विक्रय रकम प्राप्त करते हुए आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य लिखा पढी की गई है। आवेदक द्वारा भी उभयपक्ष के मध्य में रूपये के लेन देन के संबंध में लिखा पढी होना स्वीकार किया है। उभयपक्ष के मध्य रूपये के लेनदेन को लेकर विवाद है। उभयपक्ष के मध्य रूपये के लेन देन के विवाद होने के कारण सुनने का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को नही है। आवेदक का आवेदन इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

आज दिनांक 26/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से आदेश पारित किया गया।

मुहर

(नम्रता चौबे)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली

OTT प्लेटफॉर्म सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि कमाई का मौका भी दे रहा है MaskTV ने "Watch & Earn" मॉडल लॉन्च किया

भारत में पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई OTT प्लेटफॉर्म सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि कमाई का मौका भी दे रहा है MaskTV ने "Watch & Earn" मॉडल लॉन्च किया है - एक क्रांतिकारी पहल जिसके तहत दर्शक अब वेब सीरीज़, फ़िल्में और शोज़ देखकर क्रिप्टो टोकन कमा सकते हैं।

इस अनोखे मॉडल में यूज़र्स MaskTV पर कंटेंट देखते हैं और उन्हें बदले में क्रिप्टो में इनाम मिलता है। बाद में इन टोकनों को कैश में बदला जा सकता है या दूसरी डिजिटल संपत्तियों में उपयोग किया जा सकता है। यह कॉन्सेप्ट खासतौर पर उन भारतीय दर्शकों के लिए फायदेमंद है जो OTT कंटेंट देखना पसंद करते हैं लेकिन साथ ही कमाई भी करना चाहते हैं।

MaskTV के CEO चिरंजीवी भट्ट ने कहा, हम चाहते हैं कि भारत के लोग क्रिप्टो को सिर्फ एक जटिल तकनीक न समझें, बल्कि इसे सीखें, अपनाएं और उससे कमाई भी करें। MaskTV एक माध्यम है जिससे आम दर्शक भी डिजिटल फ्यूचर से जुड़ सके।

MaskTV की डायरेक्टर मानसी भट्ट ने भी इस मौके पर कहा, हम सिर्फ कंटेंट नहीं बना रहे, हम भारत के युवाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ने का काम कर रहे हैं। Watch & Earn सिर्फ एक फीचर नहीं, एक आंदोलन है।

MaskTV का यह मॉडल खासतौर पर छोटे शहरों, टियर 2 और टियर 3 ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ऐप इस्तेमाल करने में बेहद आसान है, और इसे Android और iOS दोनों प्लेटफॉर्म्स पर डाउनलोड किया जा सकता है। OTT और क्रिप्टो का यह नया संगम MaskTV को भारत का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म बनाता है जो सच में कह सकता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्र. 07 /तशा./(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2025 दुर्ग, दिनांक : 04-08-2025

//मैनुअल पद्धति निविदा सूचना//

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी "डी" एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के निम्नलिखित पीएम श्री विद्यालय, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी मिडियम स्कूल दुर्ग में 150 मि.मी. व्यास के 120 मीटर गहरे नलकूप खनन कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 20.08.2025 शाम 5.30 बजे है।

नि.सू. क्र./दिनांक	समूह क्र.	नलकूप की संख्या	स्वामी आत्मानंद स्कूल का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
07/दि. 04.08.2025	01-03	01 नग प्रत्येक समूह	कुम्हारी, अहिवारा एवं बालाजी नगर खुर्सीपार भिलाई	0.926 प्रत्येक समूह

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

G-252602627/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग (छ.ग.)

महिला एवं बाल विकास को नई दिशा देने सभापति प्रकाश सिन्हा ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

■ बसना में 341 आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन हेतु संसाधन केंद्र भवन निर्माण की मांग

बसना (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बसना के लिए संसाधन केंद्र (भवन) निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए परियोजना अधिकारी द्वारा जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा को औपचारिक रूप से पत्र प्रेषित किया गया है। वर्तमान में भवन की अनुपलब्धता के कारण संचालन में असुविधा उत्पन्न हो रही है। इस संदर्भ में प्राप्त मांग पत्र को प्रकाश सिन्हा द्वारा गंभीरता से लेते हुए बसना विधानसभा के लोकप्रिय विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल को प्रस्ताव सौंपा गया है एवं भवन निर्माण की स्वीकृति हेतु अनुरोध किया गया है। उक्त मांग पत्र में विकासखंड बसना के अंतर्गत 341 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनके संचालन, प्रशिक्षण एवं योजना क्रियान्वयन के लिए एक स्थायी संसाधन केंद्र की अत्यंत आवश्यकता है। वर्तमान में विभागीय कार्य अस्थायी संसाधनों के भरोसे चल रहे हैं, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न हो रही है। प्रकाश सिन्हा ने बताया कि संसाधन केंद्र के निर्माण से महिला एवं बाल विकास से संबंधित गतिविधियों का संचालन प्रभावी रूप से हो सकेगा और इससे न केवल विभागीय कार्यों की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि महिला-शिशु कल्याण की योजनाएं भी ग्रामीण अंचलों तक बेहतर ढंग से पहुँच सकेंगी।

संक्षिप्त-खबर

मां भद्रकाली तहसील मानस संघ ने कांवड़ यात्रा में दी सेवाएं

साजा (समय दर्शन)। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को विधायक ईश्वर साहू के नेतृत्व में महामाया मंदिर साजा से प्राचीन शिवमंदिर सहसपुर (देवकर) तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विभिन्न सेवाएं प्रदान कीं। संघ द्वारा श्रद्धालुओं के लिए जल व भोजन की व्यवस्था में सहभागिता निभाई गई। साथ ही संघ के अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू के नेतृत्व में केले का वितरण कर सेवा भावना का परिचय दिया गया। इस अवसर पर संघ के सचिव खेलन सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष आत्माराम पटेल, संरक्षक अनिल सिंघानिया एवं नारायण सिंह पटेल, कार्यकारिणी सदस्य विगेश्वर साहू, राहुल बंटी श्रीवास, अजय साहू, रूपेश कुमार साहू एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक युक्तियुक्तकरण के तहत खुशबू जैसे नन्हे बच्चों को अब खेल, कविता और कहानियों के माध्यम से सीखने का मिल रहा अवसर

दुर्ग (समय दर्शन)। धमधा विकासखंड के ग्राम तुमाखुर्द में एक सरकारी प्राथमिक शाला है। जहां पहली से पांचवी तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं। जहां 19 बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन शिक्षक के अभाव में बच्चों को शिक्षा नही मिल पाती थी। पहली से पांचवी तक के बच्चों को केवल एक ही शिक्षक पढ़ाते थे। रोज सभी कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाई नही हो पाती थी। रोज पढ़ाई नही होने के कारण बच्चे स्कूल नही जाते थे। शिक्षा व्यवस्था में सुधार होने के बाद शिक्षा में गुणवत्ता आई है। बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की गई है। पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध होने से बच्चों का भी मन लगने लगा है। यह शिक्षा नीति में बदलाव आने के कारण संभव हो पाया है। जहां पहले बच्चों की दर्ज संख्या कम होती थी वहां अब शत-प्रतिशत् उपस्थिति रहती है। बच्चों की किलकारिया वहां सुनाई नहीं देती थीं, क्योंकि एक ही शिक्षक उपस्थित रहते थे। अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही थी, खासकर खुशबू के माता-पिता की, जिनकी बेटी पढ़ना चाहती थी लेकिन हालात उनका साथ नहीं दे रहे थे। ऐसे में वे असहाय थे और खुद को किस्मत के भरोसे छोड़ चुके थे। शिक्षा विभाग द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूल में आखिरकार एक योग्य शिक्षक की नियुक्ति हुई। स्कूल में बच्चों की चहल-पहल शुरू हो गई। खुशबू भी अब हर सुबह मुस्कान के साथ स्कूल जाती है। वह कहती है अब स्कूल आना बहुत अच्छा लगता है। हमे नए-नए खेल सिखाए जाते हैं, कविताएं पढ़ाई जाती हैं और कहानियां सुनाई जाती हैं। खुशबू जैसे नन्हें बच्चों को शिक्षा नीति के माध्यम से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिली, बल्कि उन्हें एक नई दिशा और अवसर भी मिला। आज स्कूल में 19 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षक का समर्पण और बच्चों की जिज्ञासा ने स्कूल का माहौल पूरी तरह बदल दिया है। एक समय था जब यह स्कूल वीरान थी, आज वहां बच्चों व शिक्षकों की गुंज सुनाई देती है। बच्चों के अभिभावक भी संतुष्ट हैं कि उनके बच्चे अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं की भर्ती, दावा आपत्ति 10 अगस्त तक

दुर्ग/ एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 में आंगनगाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी सहायिका तथा नगर पालिक निगम रिसाली अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी सहायिका कुल 04 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 कार्यालय (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी) में कार्यलयीन समय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जिस वार्ड में कार्यकर्ता व सहायिका के पद रिक्त है, उसी वार्ड अंतर्गत स्थानीय आवेदिकाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया था। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना श्रीमती पदमजा सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 06 पाण्डेपारा सुपेला, वार्ड क्रमांक 22 कुरूद 01, नगर पालिक निगम रिसाली अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 35 डुन्डेरा-अ और वार्ड क्रमांक 36 डुन्डेरा-स में रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। उक्त केन्द्रों में प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन पश्चात् समिति द्वारा अनंतिम मूल्यांकन पत्रक का प्रकाशन किया गया है।

मुढ़ीपार में बिजली गिरने से पति-पत्नी की दर्दनाक मौत

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा थानाअंतर्गत ग्राम मुढ़ीपार मे बीते दिन दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम मुढ़ीपार में खेत में काम कर रहे एक दंपती पर आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं एक अन्य महिला घायल हो गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मुडीपार निवासी राधेश्याम दीवान (35) एवं उनकी पत्नी रत्ना बाई दीवान (30) अपने खेत पर काम कर रहे थे। उनके साथ उमेश्वरी दीवान (30) भी खेत में उपस्थित थीं। दोपहर लगभग तीन बजे अचानक तेज गर्जना और चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिससे राधेश्याम और रत्ना बाई की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान कुछ दूरी पर काम कर रही उमेश्वरी दीवान भी इसकी चपेट में आ गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना सरपंच और पुलिस को दी।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक दंपती के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां जांच के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

पिथौरा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली गिरने की त्रासदी और इससे बचाव के उपायों की आवश्यकता की ओर इशारा करता है।

पाकिस्तान से रायपुर तक ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़, महासमुंद जिले का युवक भी गिरफ्तार

महासमुन्द (समय दर्शन)। पुलिस ने पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते छत्तीसगढ़ में ड्रग्स सप्लाई करने वाले अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 412 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है।

महासमुंद के बलौदा ग्राम का युवक भी गिरफ्त में- गिरफ्तार आरोपियों में मनोज सेठ, उम्र 27 वर्ष, ग्राम बलौदा, थाना बलौदा, जिला महासमुंद का निवासी है। वर्तमान में वह श्रृष्टि प्लाजा के पास, राजीव गांधी नगर, अवंति विहार, थाना खम्हारडीह, रायपुर में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, मनोज सेठ इस नेटवर्क में सक्रिय पैडलर की भूमिका में था।

कैसे हुआ खुलासा- एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि शहर में लगातार ड्रग्स तस्करी की शिकायतें मिल रही थीं। कमल विहार निवासी सुवित श्रीवास्तव की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। उसके घर पर छापा मारने पर सुवित, पंजाब के गुरदासपुर निवासी लवजीत सिंह (मास्टरमाइंड) और ड्राइवर अश्वन चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया गया।

डिजिटल नेटवर्क के साये मे पनप रहा था कारोबार

डिजिटल नेटवर्क से चलता था कारोबार

पूछताछ में खुलासा हुआ कि लवजीत पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाकर पंजाब लाता था।

जहां से वह देश के अन्य हिस्सों में सप्लाई करता था। रायपुर में उसका संपर्क सुवित श्रीवास्तव से था, जो वाट्सऐप के जरिए ऑर्डर लेकर पेमेंट के बाद माल डिलीवर करवाता था। 1 ग्राम हेरोइन की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की सूची- इस मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों में लक्ष्य परिफल राघव उर्फ लव, अनिकेत मालाधरे, मुकेश सिंह, जुनैद खान उर्फ सैफ चिला, राजविंदर सिंह उर्फ राजू और मनोज सेठ शामिल हैं।

बरामद सामान- पुलिस ने आरोपियों के पास से 412.87 ग्राम हेरोइन, तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर, हेरोइन सेवन में प्रयुक्त नोट, एटीएम कार्ड, चेक बुक आदि जब्त किए हैं। तीन आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

मूलभूत आवश्यकताओं को पूर्ण करने बस स्टैंड सिकोसा में हुआ धरना प्रदर्शन

समर्थन देने पहुंचे गुण्डरदेही विधायक कुंवर निषाद

भानुप्रताप साहू

बालोद। ग्राम सिकोसा के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा ग्राम के विभिन्न मूलभूत आवश्यकताओं को तत्काल पूर्ण करने बाबत बस स्टैंड सिकोसा में बुधवार धरना प्रदर्शन किया गया,जिसे समर्थन देने गुंडरदेही के विधायक कुंवरसिंह निषाद धरना स्थल पर पहुंचे,मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती प्रतिमा ठाकरे को सौंपा गया।विधायक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा सिकोसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन एवं सेटअप,फर्शी खदान में लिफ्ट इरीगेशन, मनहोरा में स्टॉप डेम निर्माण की स्वीकृति प्रदान की थी जो कि आज तक कार्य प्रारंभ नही हो पाया है जिससे आमजनता को उक्त सुविधाओं का लाभ नही मिल पा रहा है!सोसायटियों में किसानों को आवश्यक रासायनिक खाद डीएपी,यूरिया नही मिल रहा है,सरकार द्वारा बिजली दरों में बेतहाशा वृद्धि की जा रही है,बिजली बिल हाफ योजना भी बंद कर दी गई है लेकिन आमजनता अघोषित बिजली कटौती से त्रस्त है!मौके पर उपस्थित बीएमओ मारकंडे, ए ई महेश्वरी को सिकोसा की समस्याओं को गंभीरता से लेने का दिशा निर्देश भी दिया गया!

धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से ब्लाक कांग्रेस कमेटी गुंडरदेही के अध्यक्ष भोजराज साहू,अर्जुन्दा के अध्यक्ष संतुराम पटेल,डॉ नारायण साहू,संजय बारले,जनपद सदस्य आसिफ गहलोत,सरपंच प्रीतम ठाकुर,मंडल अध्यक्ष रूपचंद जैन,डोमन देशमुख,सागर साहू, कुलेश्वर तिवारी,जीवन बंदे,अभिषेक यादव,नरेंद्र साहू,हेमंत पटेल,चन्द्रिका चंद्राकर, व्यंकटेश्वर राव,सुखीत लहरे,दीपक देशमुख,भानुप्रताप सिन्हा,हेमंत चंद्राकर,ओमप्रकाश यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे!

उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन 09 अगस्त तक

दुर्ग/ तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित सत्र 2025-26 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तीन चरणों की काउंसिलिंग के पश्चात् रिक्त सीटों पर एक अतिरिक्त चतुर्थ चरण हेतु संचालनालय तकनीकी शिक्षा रायपुर द्वारा सूचना जारी की गई है। इसके अनुक्रम में छात्र-छात्राएं 09 अगस्त 2025 को रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाईन पंजीयन वेबसाईट https://cgdte.admissions.nic.in °ß´ www.cgdteraipur.cgstate.gov.in पर कर सकेंगे। जिसकी मेरिट सूची 11 अगस्त 2025 को दोपहर 04 बजे जारी होगी। तत्पश्चात् मेरिट के अनुसार संस्था स्तर पर आबंटन हेतु अवसर लेने के लिए विद्यार्थियों को संस्था में 12 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे उपस्थित होना होगा। संस्था द्वारा आबंटित सीटों पर प्रवेश लेने का कार्य 12 अगस्त 2025 को अपरान्ह 01 बजे से 14 अगस्त 2025 को दोपहर 01 बजे तक रहेगा। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग के प्राचार्य से मिली जानकारी अनुसार यदि संस्था में सीट रिक्त हुई तो मेरिट सूची के अनुसार जो विद्यार्थी अवसर लेने के लिए 12 अगस्त 2025 को उपस्थित नहीं हो पाए उन्हें 14 अगस्त 2025 को दोपहर 1.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक मेरिट क्रम में प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी।

खल्लारी में हुआ खेल कलेवा का भव्य आयोजन

महासमुन्द (समय दर्शन)। किशोर अवस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दौर होता है, जिसमें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास तीव्र गति से होता है।

इस अवस्था में संतुलित पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अत्यंत आवश्यक होती है। इसी उद्देश्य को लेकर जिला प्रशासन महासमुंद और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में खेल कलेवा कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत खल्लारी में भव्य रूप से किया गया।

यह कार्यक्रम किशोरों में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया गया, जिसमें खेल गतिविधियों और संवाद सत्रों के माध्यम से किशोरों, उनके अभिभावकों और समुदाय को जोड़ा गया। पारंपरिक खेलों के साथ-साथ पोषण आहार की प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण आधारित जानकारी प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. एकता लंगेह, सोशल इन्फ्लुएंसर महासमुंद रहीं, जिन्होंने अपने प्रेरक वक्तव्य के माध्यम से किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, विविध और संतुलित आहार अपनाने तथा स्वयं पर विश्वास रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पुष्पेंद्र साहू, सरपंच ग्राम पंचायत खल्लारी ने की। उन्होंने ग्रामीण समुदाय को आह्वान किया कि वे किशोरों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को प्राथमिकता दें।

विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहे:डॉ. सुरेश शुक्ला,सामाजिक कार्यकर्ता,सविता चंद्राकर, प्राचार्य

रमन वैष्णव, स्कूल अध्यक्ष, कुबेर यदु, जिला सलाहकार समिति सदस्य,

ताराचंद देवांगन, महामंत्री, भाजपा खल्लारी मंडल।

इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में विद्यालयीन शिक्षकगण, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, अभिभावक, तथा किशोर व किशोरियाँ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पोषण थाली, आयरन युक्त खाद्य सामग्री, मौसमी फ्ल-सब्जियाँ, एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे यह बताया गया कि पौष्टिक आहार कैसे स्थानीय संसाधनों से भी उपलब्ध हो सकता है।

डॉ. एकता लंगेह ने बताया कि किशोरों के समग्र विकास के लिए केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने स्वस्थ किशोरावस्था ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है — इस संदेश पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि समाज को किशोरों के हित में एकजुट होकर कार्य करना होगा। जिला प्रशासन ने इस नवाचारी पहल के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों, विद्यालय स्टाफ, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का आभार प्रकट किया।

बिजली बिल हाफयोजना बंद, कांग्रेस आज लालटेन लेकर बिजली दफ्तर में करेगी प्रदर्शन

विष्णुदेव साय सरकार ने जनता को दिया आर्थिक करेंट का झटका-कांग्रेस

दुर्ग (समय दर्शन)। कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर बिजली बिल हाफ योजना को बंद करने का आरोप लगाते हुए इसे जनता के साथ बड़ा अन्याय बताया है। जिसके विरोध में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन के तहत आज 7 अगस्त को शाम 4 बजे दुर्ग में मुख्य बिजली ऑफिस के सामने कांग्रेस कार्यकर्ता लालटेन लेकर प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान राज्य सरकार का पुतला फूंककर बिजली के दरों में लगातार वृद्धि और बिजली बिल हाफ योजना को बंद किए जाने का विरोध जताया जाएगा। कांग्रेस द्वारा लालटेन लेकर प्रदर्शन के माध्यम से जनता को राज्य की विष्णुदेव साय सरकार में फिर लालटेन युग की शुरुआत होने का संदेश दिया जाएगा। यह बातें दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी और शहर कांग्रेस कमेटी दुर्ग के संयुक्त बैनरतले बुधवार को राजीव भवन (कांग्रेस भवन) में आयोजित प्रेसवार्ता में दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व विधायक अरुण वोरा,दुर्ग विस प्रभारी कमलाकांत शुक्ला और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रुप से कही। मीडिया से चर्चा में दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि राज्य की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा मात्र 100 यूनिट के भीतर की खपत वाले का ही बिजली बिल हॉफकरने का निर्णय लिया गया है। इससे प्रदेश के अधिसंख्यक उपभोक्ता बिजली बिल हॉफयोजना से वंचित हो गए है। 100 यूनिट से अधिक बिजली खपत होने पर बिजली बिल पूरा लगेगा और 100 यूनिट का छूट भी नहीं मिलेगा। उन्होने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने 5 वर्षों तक विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफयोजना जारी रखी। जिसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था, जिसे 5 साल में लगभग प्रत्येक उपभोक्ता का 40 से 50 हजार रु. तक की बचत हुई है। कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए 400 यूनिट बिजली बिल हॉफके दायरे में प्रदेश का लगभग हर उपभोक्ता आता था। दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने आरोप लगाया है कि राज्य की भाजपा सरकार ने सोलर पैनल को प्रोत्साहन देने की आड़ में उद्योगपति अडानी को फायदा पहुंचाने बिजली बिल हाफयोजना को बंद करने का जनविरोधी फैसला किया है। ऐसे निर्णय को कांग्रेस कभी बर्दास्त नहीं करेगी। इसका हर मोर्चे पर विरोध किया जाएगा। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से राज्य की विष्णुदेव साय सरकार सभी वर्गों को बराबर झटका दे रही है। बिजली दरों को लेकर जनता को चौंथी बार बड़ा झटका लगा है। बिजली बिल हाफ योजना को बंद करना राज्य की भाजपा सरकार का अन्यायपूर्ण कदम है। राज्य सरकार द्वारा 100 यूनिट की खपत के भीतर बिजली बिल हाफकरने का जो निर्णय लिया गया है, इसका किसी भी वर्ग को लाभ नहीं मिलने वाला है। श्री वोरा ने कहा कि बिजली ऑफिस में लालटेन प्रदर्शन के माध्यम से मांग की जाएगी कि राज्य सरकार जनता को आर्थिक करेंट का झटका देना बंद करें। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाए थे। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोतरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई थी। डेढ़ साल के भीतर साय सरकार ने घरेलू बिजली की दरों में अब तक कुल 80 पैसे प्रति यूनिट बढोतरी की है। मीडिया से चर्चा के दौरान पूर्व महापौर आरएन वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव अय्यूब खान, कांग्रेस प्रवक्ता नासिर खोखर, कांग्रेस नेता परमजीत सिंह भुई, ओनी महिलांग, कांग्रेस नेत्री रत्ना नारमदेव भी मौजूद रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26